आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

नये जमाने के साथ

यश भारत

जबलपुर का नम्बर 1 अखबार यश भारत 16 वें वर्ष में प्रवेश

● वर्ष- 16 अंक 194- ● जबलपुर ● बुधवार, 17 अगस्त, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष-6 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के खिलाफ किडनैपिंग केस में अरेस्ट वारंट

पटना, एजेंसी। बिहार में नई सरकार के कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट जारी होने से राजनीति गर्मा गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मामले पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले की कोई जानकारी नहीं है। बता दें कि एक दिन पहले ही कार्तिकेय सिंह ने मंत्री पद की शपथ ली, उस दिन उन्हें किडनैपिंग के एक मामले में कोर्ट में पेश होना था मगर वो नहीं हुए।

गोंदिया में पैसेंजर ट्रेन मालगाड़ी की टक्कर

50 यात्री घायल, 13 गंभीर

गोंदिया, एजेंसी। महाराष्ट्र के गोंदिया में बुधवार सुबह एक रेल हादसा हो गया। रायपुर से नागपुर जा रही पैसेंजर ट्रेन भगत की कोठी गोदिंया में मालगाड़ी से टकरा गई। टक्कर के कारण पैसेंजर ट्रेन की एक बोगी पटरी से उतर गई। हादसे में 50 से अधिक यात्री घायल हो गए। द्व मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 13 यात्रियों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ।घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। रेलवे के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। अधिकांश यात्रियों को मौके पर ही इलाज मुहैरा करवाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ। अधिकांश यात्री नींद में थे। टक्कर होते ही हड़कंप मच गया और यात्री ट्रेन से उतर गए। कुछ देर यातायात बाधित हुआ। समाचार एजेंसी ने रेलवे के हवाले से बताया है कि एक ही ट्रैक पर दोनों ट्रेनों के आने के चलते ये हादसा हुआ है। ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद बिलासपुर-भगत की कोठी एक्सप्रेस पैसेंजर ट्रेन आगे निकली थी। जैसे ही गोदिंया पहुंची वैसे ही वहां पीछे से आ रही मालगाड़ी ने टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि टेक्निशियन की तरफ से सही सिग्नल नहीं मिलने के कारण यह हादसा हुआ है।

सिदरा के एक घर में छह शव मिलने से सनसनी

जम्मू ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर से बड़ी खबर है। जम्मू के सिदरा इलाके में एक परिवार के छह सदस्य अपने आवास पर मृत पाए गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि एक परिवार के छह सदस्य बुधवार को यहां अपने घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए हैं। मृतकों की पहचान सकीना बेगम, उनकी दो बेटियों नसीमा अख्तर और रुबीना बानो, बेटे जफर सलीम और दो रिश्तेदारों हबीबुल्ला के बेटे नूर-उल-हबीब और फारूक के बेटे सजाद अहमद के रूप में हुई है। सिदरा इलाके में एक घर में दो शव, जबकि दूसरे घर में चार शव मिले हैं। पुलिस ने कहा कि शवों को यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भेज दिया गया है। पुलिस दल इलाके में पहुंच गए हैं। जांच शुरू कर दी गई है। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

कार सहित बहे तहसीलदार और पटवारी

पटवारी का शव मिला

सीहोर, यशभारत। सोमवार रात से लापता तहसीलदार व पटवारी की मंगलवार शाम को लोकेशन के आधार पर कर्बला पुल के पास सीवन नदी में सर्चिंग की जा रही थी, जिनका देर शाम तक कुछ पता नहीं चल सका था। बुधवार सुबह करीब 8.30 बजे घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर ग्राम छापरी में पटवारी महेंद्र रजक का शव व कार बरामद हुई है। जबकि तहसीलदार नरेंद्र ठाकुर की तलाश अभी जारी है। यहां पर यह भी बता दें कि मध्य प्रदेश तहसीलदार संघ के अध्यक्ष हैं नरेंद्र सिंह ठाकुर ।मालूम हो कि जिले में पदस्थ रहे एक तहसीलदार और पटवारी सोमवार रात अपने घर से कहीं पर खाना खाने जाने की कहकर कार से निकले थे, जब वह सुबह तक नहीं लौटे तो परिजनों ने मंडी थाने पहुंच कर गुमशुदगी की रिपार्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में मंगलवार को एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। वहीं सीसीटीवी फुटेज से मिली लोकेशन के आधार पर सीवन नदी पर बने कर्बला पुल के पास सर्चिंग अभियान चलाया गया था। हालांकि देर शाम तक कुछ पता नहीं चल सका था। तहसीलदार शुगर फैक्ट्री चौराहा और पटवारी हाउसिंग कृष्णा नगर सीहोर निवासी है। तहसीलदार शाजापुर जिले की तहसील मोहनपुर बड़ोदिया में पदस्थ है, जबकि पटवारी जिले की नसरुल्लागंज तहसील में पदस्थ था। तहसीलदार नरेन्द्र सिंह ठाकुर के बेटे ने थाने जाकर उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया था कि सोमवार की रात को तहसीलदार और पटवारी अपने दोस्त महेन्द्र शर्मा व राहुल आर्य के साथ पार्टी करने रफीकगंज स्थित दोस्त तरुण सिंह के फार्म हाउस पर गए थे। तहसीलदार और पटवारी एक कार में सवार थे।

सिहोर में हादसा

सीएम ने परिवार के साथ उठाया भुट्टे का लुत्फ

भोपाल,यशभारत। पचमढ़ी नर्मदापुरम से लौटते समय मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्नी साधना सिंह के साथ भुट्टे का लुत्फ उठाया। नर्मदापुरम में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने और वीसी के बाद सीएम शिवराज भोपाल लौट रहे थे। रास्ते में बुदनी क्षेत्र में घाट सेक्शन में औबेदुल्लागंज-बैतूल नेशनल हाईवे किनारे लगी भुट्टे की दुकान पर सीएम का काफिला रुका। सीएम गाड़ी से उतरे और भुट्टे की दुकान पर जाकर भूट्टा खरीदा।सीएम के साथ में पत्नी साधना सिंह, बेटे कार्तिकेय और कुणाल भी साथ थे। सीएम सिंह ने साधना सिंह को अपने हाथों से भुट्टा खिलाया। जिसके बाद सीएम ने साधना सिंह से रुपए लेकर दुकानदार को दिए। सीएम ने परिवार के साथ गर्मागरम भुट्टे का लुत्फ उठाया। बता दे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह निजी दौरे पर भोपाल से पचमढ़ी सोमवार रात को पहुंचे थे। लेकिन प्रदेश में नर्मदापुरम रायसेन सहित कई जिलों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सीएम मंगलवार को नर्मदापुरम पहुंचे।

कई बार वादों के बाद भी नहीं जीत पाते राजनीतिक दल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजनीतिक दलों की ओर से मुफ्त सुविधाएं और चीजें देने की स्कीमों के ऐलान पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस पर रोक नहीं लगा सकते। चीफ जस्टिस एनवी रमना की अगुवाई वाली बेंच ने बुधवार को कहा कि अदालत राजनीतिक दलों को मुफ्त में चीजें देने की स्कीमों का ऐलान करने से नहीं रोक सकती। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह सरकार का काम है कि वह लोगों के लिए वेलफेयर के लिए काम करे। अदालत ने कहा, चिंता की बात यह है कि कैसे जनता के पैसे को खर्च किया जाए। यह मामला काफी जटिल है। इस बात का भी सवाल उठता है कि क्या इस मसले पर कोई फैसला देने का अधिकार अदालत के पास है। चीफ जस्टिस ने कहा कि किन स्कीमों को मुफ्तखोरी की घोषणाओं में शामिल किया जा सकता है और किन्हें नहीं, यह बहुत ही जटिल मसला है।

हिमाचल से लेकर जम्मू-कश्मीर तक कांग्रेस में अंतर्कलह

आज लग सकता है यह बड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस में बड़े नेताओं के बीच चल रही अंतर्कलह एक बार फिर सामने आई है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से आ रही खबरें बता रही हैं कि देश की सबसे पुरानी पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद को कांग्रेस आलाकमान का एक और फैसला पसंद नहीं आया और उन्होंने जम्मू-कश्मीर में प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाए जाने के दो घंटे बाद ही पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं हिमाचल प्रदेश में कयास लगाए जा रहे हैं कि कांग्रेस के दो विधायक बुधवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम सकते हैं। इनमें कांग?ा से विधायक व कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पवन काजल व सोलन जिले के नालागढ़ के कांग्रेस विधायक लखविंद्र राणा शामिल हैं। इन्हीं चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर व भाजपा संगठन मंत्री पवन राणा भी दिल्ली रवाना हो गए हैं। प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कश्यप पहले से ही दिल्ली में हैं। मुख्यमंत्री की बुधवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के साथ भेंट होनी है। **गुलाम नबी आजाद ने छ्व में प्रचार कमेटी के चेयरमैन पद से दिया इस्तीफा**

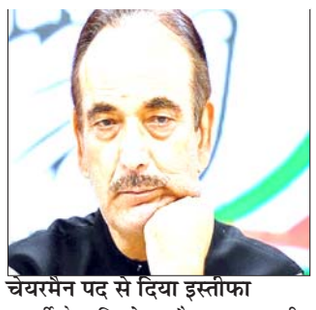

पार्टी के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद को कांग्रेस आलाकमान का एक और फैसला पसंद नहीं आया और उन्होंने जम्मू-कश्मीर में प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाए जाने के दो घंटे बाद ही पद से इस्तीफा दे दिया।

उज्जैन में पिता और 3 बेटियां ट्रेन से कटी

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन-नागदा रेलवे ट्रैक पर पिता और तीन बेटियां मालगाड़ी ट्रेन से कट गईं। चारों के शव बुधवार सुबह 11 बजे रेलवे ट्रैक पर पड़े मिले। सुसाइड नोट मिलने की वजह से आशंका सुसाइड की ही है, लेकिन पुलिस अभी जांच के बाद ही आगे कुछ कहने की बात कह रही है। परिवार गोयला बुजुर्ग (उज्जैन) का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। मृतकों की शिनाख्त रवि पांचाल (35), उसकी बेटी अनामिका (12), आराध्या (8) और अनुष्का (7) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है रवि, बेटियों को स्कूल ले जाने के लिए घर से निकला था। मौके पर बच्चियों के स्कूल बैग और टूव्हीलर भी खड़ी मिली है। घटनास्थल नई खेड़ी से रवि का गांव गोयला बुजुर्ग 12 किलोमीटर दूर है। जीआरपी TI आरएस महाजन के मुताबिक, सुबह जानकारी मिली थी।

अब आधार नहीं तो सब्सिडी का पैसा भी नहीं मिलेगा, IDAI का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आधार बनाने वाली संस्था UIDAI ने आधार नहीं बनवाने वालों के लिए एक कड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। यूआईडीएआई ने एक सर्कुलर जारी कर सभी मंत्रालयों और राज्य सरकारों को कहा है कि सभी सरकारी सब्सिडी और लाभ के लिए आधार नंबर को अनिवार्य बनाया जाए। ऐसे में यदि आपके पास आधार संख्या या नामांकन पर्ची नहीं है, तो आप सरकारी सब्सिडी और लाभों का लाभ उठाने के हकदार नहीं हो सकते हैं। जिन लोगों के पास आधार नंबर नहीं है और जो सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सब्सिडी और लाभों का लाभ उठा रहे हैं, उनके लिए आधार नियमों को कड़ा करने के लिए ये सर्कुलर जारी किया गया था। सर्कुलर में यह भी लिखा गया है कि देश में 99 प्रतिशत वयस्कों के पास आधार नंबर उपलब्ध है। जिसके पास आधार नंबर नहीं उनके लिए होगा ये नियम UIDAI द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, आधार अधिनियम की धारा 7 में एक मौजूदा प्रावधान है, जो एक ऐसे व्यक्ति को सुविधा प्रदान करता है, जिसके पास आधार नंबर नहीं है जब तक उनको आधार संख्या आवंटित नहीं की जाती वह आधार नामांकन पहचान (ईआईडी) संख्या / पर्ची के साथ सरकारी लाभ, सब्सिडी और सेवाओं का लाभ उठा सकता है।

Jacqueline को ED ने 215 करोड़ रुपये ठगी केस में बनाया आरोपी

मुंबईएजेंसी। सुकेश चंद्रशेखर के 215 करोड़ रुपये की वसूली के केस में ऐक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस फंसती नजर आ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने इस केस में जैकलीन को भी आरोपी बनाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ED बुधवार को जैकलीन के खिलाफ चार्जशीट फाइल कर सकता है। बताया जा रहा है कि जैकलीन को पता था कि सुकेश चंद्रशेखर क्रिमिनल है और वसूली में शामिल था। वहीं सुकेश ने जो वसूली की उसके पैसों से जैकलीन को भी फायदा हुआ। सुकेश चंद्रशेखर केस में जैकलीन से पहले कई राउंड पूछताछ हो चुकी है।

कातिल मां

शवों को देख फफक पड़ा पिता, बोला-तूने ये क्या किया...

गाजीपुर ,एजेंसी। गाजीपुर से दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। थाना इलाके के ढढनी भानमल राय गांव में पारिवारिक कलह में सोमवार सुबह मायके आई महिला ने अपने तीन बच्चों को चाय में जहर मिलाकर मार डाला। बच्चों के चाचा की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के साईत बांध निवासी सुनीता देवी अपने तीन पुत्रों बब्बी उर्फ हिमांशु (11), प्रियांशु उर्फ पीयूष (8), शेरू (3) और एक पुत्री दिव्यांशु (7) के साथ रक्षाबंधन के दिन मायके ढढनी भानमल राय गांव आई हुई थी। करीब दो दिन पूर्व उसकी मोबाइल पर पति बालेश्वर यादव और देवर से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी, जिससे वह काफी नाराज थी। जिससे उसने दोनों पुत्रों बब्बी उर्फ हिमांशु व प्रियांशु और पुत्री दिव्यांशु को चाय में जहर मिलाकर दे दिया।

3 बच्चों को चाय में जहर देकर मार डाला

हंबनटोटा बंदरगाह पर दिल्ली की नजर, यूएस भी चिंतित

भारत की जासूसी के लिए चीन ने श्रीलंका भेजे अपने जहाज ?

कोलंबो,एजेंसी। चीन ने अपनी स्थिति साफ करते हुए मंगलवार को कहा कि उसके हाई-टेक अनुसंधान पोत की गतिविधियों से किसी भी देश की सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी। साथ ही उसने यह भी कहा कि किसी भी तीसरे पक्ष द्वारा इसे बाधित नहीं किया जाना चाहिए। आपको बता दें कि श्रीलंका के रणनीतिक दक्षिणी बंदरगाह हंबनटोटा में चीनी जहाज की मौजूदगी को लेकर भारत और अमेरिका ने चिंता जाहिर की थी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि च्युआन वांग 5ज जहाज च्श्रीलंका की ओर से सक्रिय सहयोगज के साथ हंबनटोटा बंदरगाह पर च्सफलतापूर्वकज उतरा है। हालांकि, वांग ने श्रीलंका को वित्तीय सहायता देने से संबंधित एक प्रश्न को टाल दिया। आपको बता दें कि चीनी ऋण सहित 51 बिलियन अमरीकी डॉलर के विदेशी ऋण ने श्रीलंका को हाल ही में दिवालिया कर दिया। बैलेस्टिक मिसाइल एवं उपग्रहों का पता लगाने में सक्षम जहाज च्युआन वांग 5ज स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 20 मिनट पर दक्षिणी बंदरगाह हंबनटोटा पहुंचा। यह 22 अगस्त तक वहीं रुकेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन कहा कि च्युआन वांग 5ज श्रीलंका के सक्रिय सहयोग से हंबनटोटा बंदरगाह पर सफलतापूर्वक पहुंच गया है। हंबनटोटा बंदरगाह को बीजिंग ने 2017 में श्रीलंका से कर्ज के बदले में 99 साल के पट्टे पर ले लिया था। श्रीलंका के बंदरगाह पर पहुंचे इस पोत की प्रौद्योगिकी को लेकर भारत और अमेरिका की चिंताओं का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए वांग ने कहा, मैं फिर से जोर देना चाहता हूं कि युआन वांग 5 की समुद्री वैज्ञानिक अनुसंधान गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय सामान्य प्रक्रिया के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा, वे किसी भी देश की सुरक्षा और उसके आर्थिक हितों को प्रभावित नहीं करतीं तथा उसे किसी तीसरे पक्ष द्वारा बाधित नहीं किया जाना चाहिए। श्रीलंका सरकार ने पोत में लगे उपकरणों को लेकर भारत और अमेरिका द्वारा चिंता व्यक्त किए जाने के बाद चीन सरकार से इस पोत को भेजने में विलंब करने को कहा था और अंततः उसने 16 से 22 अगस्त तक जहाज को बंदरगाह पर ठहरने की अनुमति दे दी। चीन की आधिकारिक मीडिया के अनुसार, चालक दल के 2,000 से अधिक कर्मियों वाले जहाज में उपग्रहों और बैलिस्टिक मिसाइल का पता लगाने की क्षमता है।

बैलेस्टिक मिसाइल एवं उपग्रहों का पता लगाने में सक्षम जहाज

पत्रिका का विमोचन करते प्रमुख अतिथि आशीष शुक्ला

रजक समाज की चतुर्थ पत्रिका रजक दर्पण का विमोचन, विभूतियों का सम्मान

जबलपुर यशभारत। जबलपुर रजक समाज की पत्रिका रजक दर्पण का विमोचन महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू जी के मुख्य अतिथि में और यश भारत के संस्थापक आशीष शुक्ला की अध्यक्षता में अग्रवाल बारात घर शीतल पूरी में समाज के सभी संगठनों के पदाधिकारियों और समाज के वरिष्ठ जनों के बीच आयोजित किया गया। नगराध्यक्ष राजकुमार रजक ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक राष्ट्रीय गीत के साथ हुई। रजक समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में मुख्यअतिथि ने पत्रिका का विमोचन किया। तदुपरांत रजक समाज के सभी नवनिर्वाचित पार्षदो , जनपद सदस्य ,सरपंच ,उपसरपंच पंच और समाज के वरिष्ठ समाजसेवी , पत्रकार बन्धुओं का सम्मान किया गया । उक्त कार्यक्रम में जबलपुर के साथ ही नरसिंहपुर गोटेगांव घाना पनागर पाटन भेड़ाघाट शहपुरा बघ्रराजी घाना मठामर रिठौरी पड़रिया मझगवा आदि ग्रामीण छेत्र से सभी सामाजिक लोग उपस्थित हुये । कार्यक्रम को सफल बनाने में विवेक रजक, भगवत प्रसाद रजक, छुन्ना रजक मनोहर रजक ,विनोद रजक संजय रजक शेरू रजक जयसिंह रजक सुरेंद्र रजक सुशील रजक राजेंद्र रजक जगन रजक संभु रजक हरि रजक राहुल रजक संदीप रजक काजल रजक गीता रजक कल्लू बाबा पंकज रजक ओर रजक समाज आदि मौजूद रहे।

नयी सेवा समिति का गठन, सुभाष पटेल अध्यक्ष

जबलपुर, यशभारत। गुरु श्री लक्ष्मण कुसुम मानव संगठन के द्वारा संगीतकार एवं फिल्म निर्देशक डॉ प्रकाश तिवारी एवं संगठन अध्यक्ष डॉ नरेश पांडेय द्वारा नयी सेवा समिति बड़खेड़ा का गठन किया गया , जिसमे अध्यक्ष सुभाष पटेल, उपाध्यक्ष तुलसीराम दाहिया, सचिव धनंजय पटेल, सहायक सचिव सुश्री दीक्षा ठाकुर, कोषाध्यक्ष नेत राम पटेल, सह कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश पटेल, मीडिया प्रभारी सुनील पटेल, परिवहन संचालक राकेश ठाकुर वरिष्ठ सलाहकार कन्छेदी लाल साहू नियुक्त किया गया।

संतान की दीर्घायु की कामना की हरछठ

व्रती महिलाओं ने की पूजन की तैयारी पूरी

जबलपुर, यशभारत। आज महिलाएं संतान की दीर्घायु की कामना का पर्व हरछठ मना रहीं हैं। भाद्र मास की कृष्ण पक्ष की षष्टी को महिलाओं द्वारा व्रत रखा जाता है। इसमें विशेष रूप से भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम के शस्त्र हल का पूजन किया जाता है। व्रत को लेकर महिलाओं ने विशेष तौर पर बाजार से पूजन सामग्री की खरीदारी की, जिसमें पसई के चावल, दोना पत्तल, लाई सहित अन्य पूजन सामग्री शामिल रही। पूजन साम्रगी खरीदने के लिए महिलाओं ने विशेष रूप से कांस के फूल और दोना-पत्तल खरीदे। व्रत में पूजन सामग्री को बांस के चुनका में रखकर भगवान को अर्पण किया जाता है। खरीदारी को लेकर फुहारा में दिनभर भीड़ रही। इसी तरह उपनगरीय क्षेत्रों के बाजार में भी पूजन सामग्री खरीदते महिलाओं को देखा गया।

दोपहर के बाद होता है पूजन - दोपहर बाद जगह-जगह महिलाएं सामूहिक रूप से पूजन करेंगी। मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से मिला पुण्य संतान को संकटों से मुक्ति दिलाता है। ज्योतिषाचार्य पंडित रोहित दुबे ने बताया कि षष्टी तिथि का आरंभ 16 अगस्त को रात 11.53 से हुआ जो आज रात 11.44 बजे तक रहेगी। आज

षष्टी के दिन महिलाओं ने सुबह स्नान के पश्चात हरछठ व्रत का संकल्प लिया । आज के दिन संतान की लंबी उम्र और उसकी सुख समृद्धि की कामना से महिलाएं निर्जला उपवास करती हैं। किसी साफ स्थान की जमीन को लीपकर आटा से चौक बनाकर पलाश और कांस की डाल को एक साथ बांधकर किसी गमले में लगाया जाता है और पांच या सात अनाज अथवा मेवा यथा चना, गेहूं, जौ, धान और मक्का, महुआ को भून कर मिट्टी के छह छोटे-छोटे बर्तनों में भरकर षष्टी देवी की पूजा की जाती है। हरछठ पर हल की पूजा का विधान भी है इसलिए ग्रामीण इलाकों में लोग हल से जुड़ी वस्तुओं का सेवन इस दिन नहीं करते।

एनआईसी प्रभारी आशीष शुक्ला हुए सम्मानित

जबलपुर यश भारत। स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर मानस भवन में आयोजित हुए कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना अधिकारी आशीष शुक्ला को संभागीय कमिश्नर कलेक्टर व एसपी की मौजूदगी में प्रशस्ति पत्र देकर उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया आशीष शुक्ला को अंकुर पौधारोपण महा अभियान के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह सम्मान मिला है । जिले में अधिक से अधिक पौधारोपण करने और उन्हें संरक्षित रखने को लेकर महा अभियान चलाया गया था जिसमें आशीष शुक्ला की भूमिका सराहनीय रही जिसके चलते उन्हें यह सम्मान मिला है। इसके पूर्व उन के द्वारा निगम व पंचायत चुनाव के दौरान भी किए गए चुनावी प्रबंधन के साथ साथ जानकारियों के संचय और विश्लेषण का कार्य किया गया था। जिसके लिए उन्हें जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया था। एक बार फिर अंकुर पौधारोपण अभियान में सराहनीय कार्यों के लिए वे सम्मानित हुए है।

स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल में नन्हे थिरकते कदमों के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया

स्वतंत्रता दिवस समारोह

जबलपुर, यशभारत। आजादी के अमृत महोत्सव पर स्टेमफिल्ड इंटरनेशनल स्कूल की विजय नगर शाखा में 76वां स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन बहुत ही धूमधाम से संपन्न हुआ। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व नगर निगम आयुक्त वेद प्रकाश उपस्थित थे, अन्य प्रमुख अतिथियों में चेयर पर्सन श्रीमती मधु जायसवाल संचालक पर्व जायसवाल , सुभाष महाजन , डायरेक्टर श्रीमती सुप्रिया जायसवाल , प्रधानाचार्या श्रीमती मनमीत कोहली कार्यक्रम में विजय नगर शाखा में विशिष्ट अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण किया गया, इसके पश्चात स्कूल बैंड, एवं छात्र छात्राओं द्वारा मार्च पास्ट कर तिरंगे को सलामी दी गई।

इस अवसर पर स्कूल के सेमिनार हॉल में छात्र-छात्राओं द्वारा देश भक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई, जिसमें शामिल थे, देश भक्ति गीत, छोटे छोटे नन्हे मुन्नो द्वारा प्रस्तुत देशभक्तों की झांकियां, देश भक्ति नृत्य, युद्ध की विभीषिका को दर्शाता हुआ माइम एक्ट इत्यादि । कार्यक्रम के अंत में 10वीं एवं 12वीं की सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को विशिष्ट अतिथि वेद प्रकाश एवं संचालक पर्व जयसवाल द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वेद प्रकाश ने सभी को इस महत्वपूर्ण दिवस की शुभकामना देते हुए कहा, कि यह दिवस हमेशा हमें इस बात की प्रेरणा देता है, कि अगर हम दृढ़ प्रतिज्ञ होकर किसी लक्ष्य को साधे तो सफलता निश्चित है, जिस प्रकार हमारे वीर शहीदों ने दृढ़ प्रतिज्ञ होकर हमारे देश को अंग्रेजों की 100 सालों की गुलामी से मुक्त कराया। विशिष्ट अतिथि ने अपने संदेश में कहा कि आज जब हम अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं तो अब समय है कि हम न केवल अपनी सामाजिक स्वतंत्रता को ही नहीं बल्कि अपने वैचारिक स्वतंत्रता को भी उतना ही महत्व दें हमारा देश प्रगति पथ पर आगे बढ़े। संचालक श्री पर्व जयसवाल जी एवं डायरेक्टर श्रीमती सुप्रिया जयसवाल जी ने सभी छात्र-छात्राओं एवं स्टेमफिल्ड के सभी सदस्यों को स्वतंत्रता के 76 वें वर्ष की शुभकामना दी। कार्यक्रम के अंत मे दोनों ही शाखाओं की प्रधानाचार्या श्रीमती मनमीत कोहली जी एवं श्रीमती रजनी घई जी ने छात्रों को उनके आकर्षक प्रस्तुति के लिए उनकी सराहना की, एवं सभी को इस महत्वपूर्ण दिवस की शुभकामना दी।

आजादी के 75 वीं वर्षगांठ पर रोटरी वेस्ट ने मनाया 48 स्थापना दिवस समारोह

जबलपुर, यशभारत। आजादी के 75 वीं वर्षगांठ पर रोटरी वेस्ट ने अपना 48 स्थापना दिवस समारोह मनाया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक 3261 के प्रांतपाल शशांक रस्तोगी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डी.जी. एम. अखिल मित्रा एवं पी. डी. जी. उमाकान्त शर्मा उपस्थित थे। रोटरी वेस्ट के सत्र 2022-23 के अध्यक्ष सिपई चंद कुमार को कालर पहनाकर अध्यक्ष का पद पर एवं भानू जैन ने सचिव पद को सुशोभित किया। चंद कुमार सिंघई ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण शिक्षा का स्तर एवं पीड़ित मानवता चिकित्सा घर-घर पहुंचाने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि शशांक रस्तोगी ने पीड़ित मानवता की सेवा पर विशेष जोर दिया एवं रोटरी के उद्देश्यों को विस्तृत रूप से बताया। विशिष्ट अतिथि डी.जी.एम. अखिल मिश्रा ने शहर विकास एवं शिक्षा पर विशेष जोर दिया। निवर्तमान अध्यक्ष रोटे. दीपक मिश्रा द्वारा पिछले वर्ष किये गये कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं रोटे. डॉ. सुनील बहल, रोटे, दीपक जैन, रोटे, चंदन यादव, रोटे, भानु जैन, रोटे, उमाकान्त शर्मा, रोटे, संतोष सिंह, रोटे, जितेन्द्र कुलकर्णी, रोटे, विक्की सोनी, रोटे, शैलेष सोनी, रोटे, उद्यन तिवारी के साथ-साथ सभी रोटेरियन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष दीपक जैन द्वारा किया गया। तत्पश्चात् स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत-संगीत का कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें रोटेरियन योगेश अग्रवाल, दीपक सिंघई, हर्ष सिंघई, वीरेन्द्र कुमार, संगीता सिंघई के साथ-साथ अन्य रोटेरियन ने गीत प्रस्तुत किये।इस कारण में डी. एस. जी. अजीत जायसवाल रायपुर के साथ डॉ. सुनील बहल, चंदन यादवा, संतोष सिंह, उद्यन तिवारी, प्रवीण विश्वकर्मा, प्रेम विश्वकर्मा, जीतेन्द्र कुलकर्णी, संजय सोनी, अभय दुबे, शैलेष सोनी, राजेश गुप्ता, लक्ष्मण दास, एन. के. श्रीवास्तव, हिम्मत सिंह, अमित, दीप मुखर्जी डॉ. नवीन चावला. मोहन यादव, एस.पी. सिंह, डॉ. द्विवेदी, मनीष शिवहरे, विजय तिवारी, शरद जैन, धमयंती राय, राजेश राजपूत के साथ अन्य रोटेरियन एवं अन्य क्लब से रोटेरियन उपस्थित थे। अंत में उत्कृष्ट सेवा के लिये दीपक मिश्रा एवं शैलेष सोनी को सम्मानित किया गया।

कभी कड़क धूप तो कभी बादलों की छांव

जबलपुर, यशभारत। अच्छी बारिश के बाद मौसम के मिजाज ने फिर बदल गए हैं। आज सुबह कड़ी धूप निकली फिर बादल आ गया। उमस की स्थिति बन गई हैं।एक दिन पहले मंगलवार को भी सुबह ही बादल छंट गए थे और हल्की धूप निकली थी। इससे पारे में उछाल आया और यह चार डिग्री सेल्सियस ऊपर चला गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक मानसून पश्चिमी मध्यप्रदेश की ओर खिसक गया है। इसलिए आने वाले दो दिन बारिश की संभावना कम है, लेकिन 19 से मानसून फिर सक्रिय हो जाएगा और फिर शहर और आसपास के क्षेत्र में बारिश होगी। जिले में अब तक 31.3 इंच वर्षा हो चुकी है।मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक वर्तमान में पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर अतिनिम्न दाब का क्षेत्र जबलपुर से 120 किमी पूर्व में सक्रिय है, जिसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर गतिमान रहने के साथ दुर्बल होने की संभावना बनी हुई है। पूर्वोत्तर अरब सागर और समीपवर्ती दक्षिणी पाकिस्तान में निम्न दाब क्षेत्र अभी भी सक्रिय है। जबकि मानसून ट्रफ जैसलमेर-गुना से लेकर सागर और डिप्रेशन के केंद्र से होते हुए बालासोर तथा पूर्वोत्तर बंगाल की खा ?ी तक विस्तृत है। उत्तर-दक्षिण ट्रफ लाइन कर्नाटक से कोमरीन सागर तक गुजर रही है और दक्षिणी गुजरात से महाराष्ट्र तट तक अपतटीय ट्रफ सक्रिय है। अफगानिस्तान के आसपास मध्य क्षोभमंडल की पछुवा पवनों के बीच एक ट्रफ के रूप में पश्चिमी विक्षोभ भी अवस्थित है।

सैंकडों बुलेट से निकली तिरंगा यात्रा लोगों में दिखा राष्ट्र भक्ति का जज्बा

जबलपुर, यश भारत । म 0 प्र 0 तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया की आजादी के अमृत महोत्सव एवं स्वाधीनता की 75 वीं वर्षगांठ की पूर्वसंध्या पर राष्ट्र के गौरव एवं गरिमा के प्रतीक भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को सम्मानपूर्वक लेकर बुलेट बाईक रैली निकाली गई । यात्रा को अंतरराज्ययी बरा स्टैंड में भारतीय सेना के सेवा निवृत्त कर्नल राकेश श्रीवास्तव व पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बुहुगुणा ने बुलेट बाईक रैली को हरी झंडी व गुब्बारे छोड कर रवाना किया गया तिरंगा यात्रा शहर के मुख्य मार्ग दमोहनाका छोटा फुब्बारा कोतवाली , लार्डगंज , मालवीय चौक , तीन पत्ती चौक , करमचन्द चौक , वंदेमातरम चौक होते हुए सदर सदर बाजार होते हुए आकाश गंगा मेंहदीबाग सदर में में समाप्त हुई , जहां यात्रा में सम्मिलित लोगों से राष्ट्रगान गा कर यात्रा को समाप्त किया गया । प.अयोध्या तिवारी , अख्तर अंसारी , पं . राम दुबे , संजय कपूर , पं . चीनू (हर्ष तिवारी) तिवारी , पं . हीरा तिवारी , पप्पू गुप्ता , मनीष जैन (कल्लू) सोनू बाचवानी , सीताराम सेन, दीपक दुबे , कल्लू गुप्ता , मनीष विश्वकर्मा , अक्षय शुक्ला , सौरभ दुबे , अनमोल वाजपेयी , राहुल गुप्ता , बमबम विवेक साहू , विक्की चौधरी,अटल उपाध्याय, मुकेश सिंह , मिर्जा मंसूर बेग , आलोक अग्निहोत्री , दुर्गेश पाण्डे , सुनील राय , सार्थक जैन , बृजेश मिश्रा , आदि सैंकडों राष्ट्र भक्त उपस्थित रहे । समापन स्थल पर पं पवन तिवारी , योगेन्द्र दुबे ने राष्ट्र भक्तों का आभार व्यक्त किया ।

कृषि कालेज में 18 अगस्त होगा वेरिफिकेशन

जबलपुर ,यशभारत। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं राजमाता कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर द्वारा मध्य प्रदेश के कृषि महाविद्यालय में प्रवेश हेतु संयुक्त रूप से एमएससी डिग्री प्रोग्राम हेतु प्रथम राउंड ऑनलाइन ऑफलाइन कैंपस काउंसलिंग एवं डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन प्रारंभ हो चुका है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के मार्गदर्शन में एवं कृषि महाविद्यालय जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. ए. के. सरावगी के नेतृत्व में एवं डॉ. जयंत भट्ट प्रभारी एकेडमी द्वारा काउंसलिंग एवं वेरीफिकेशन से संबंधित बारीकियों की जानकारी प्रदान की गई। डॉ. ए. के. सरावगी अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर ने बताया कि डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का कार्य 16 अगस्त से 18 अगस्त 2022 शाम 5ः00 बजे तक होगा। कृषि महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु मध्य प्रदेश के ग्वालियर, इंदौर जबलपुर, खंडवा, मंदसौर रीवा सीहोर एवं टीकमगढ़ में मास्टर डिग्री हेतु डॉक्युमेंट्स वेरीफिकेशन का कार्य एवं फर्स्ट राउंड काउंसलिंग प्रारंभ हो चुकी है। गौरतलब है कि प्रथम दिवस काउंसलिंग में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने अपने डाक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन कराया। कृषि महाविद्यालय जबलपुर में सुचारू रूप से प्रवेश हेतु अनुभवी प्रोफेसरों की समिति बनाई गई है। जिसमें डॉ अनुभा उपाध्याय, डॉ. ज्ञानेंद्र तिवारी, डॉ. शेखर सिंह बघेल, डॉ. सी. एस पांडे, डॉ रजनी बिसेन, डॉ. रजनी शर्मा डॉ कीर्ति तंतुवाय डॉ. योगेंद्र सिंह, डॉ. पवन कुमार अमृते डॉ शिव रामाकृष्णन, डॉ. जी. एस. टैगोर, डॉ. कैलाश चोकेकर, डॉ. एस. सी. अमूले के साथ ही श्री प्रेम लाल चतुर्वेदी श्री आर एम स्वर्णकार श्री राजेश श्रुति, श्वीरेंद्र पटेल, कुमारी मोनिका चौहान, श्रीमती सोनिका वर्मा, कुमारी दीपा मालवीय, श्री रामजी प्रसाद पटेल, श्री लक्ष्मी नारायण पटेल आदि प्रथम काउंसलिंग एवं वेरिफिकेशन कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बरगी पॉवर हाऊस में पौधारोपण

जबलपुर, यशभारत। स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगाँठ पर म.प्र.पॉ.जं.कं.लि. के बरगी पॉवर हाऊस में पौधारोपण का आयोजन किया । मुख्य अतिथि प्रबन्ध संचालक मनजीत सिंह के साथ कम्पनी के सभी शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य अभियंता एस के शुक्ला ने बताया कि प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक ने पौधारोपण किया। रोपे गए पौधों के लिये ट्रीगार्ड एवं सालभर सिंचाई की व्यवस्था की गई है। (विवेक बाझल) अधी.अभि. (सं./सं.) म.प्र.पॉ.जं.कं.लि. नगर ने बताया कि इस अवसर पर समीपी ग्राम बिजौरा निवासियों को फलदार वृक्षों के पौधे वितरित किये। प्रबन्ध संचालक एवं सभी अधिकारियों ने विद्युत गृह का निरीक्षण किया, आवश्यक निर्देश दिये एवं कार्मिकों से चर्चा की। आगामी स्वतंत्रता दिवस पर इस वर्ष से दुगने पौधारोपणके संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अग्रहरि वैश्य समाज की नवीन कार्यकारणी का शपथ ग्रहण

जबलपुर यशभारत। अग्रहरि भवन मिलौनीगंज, जबलपुर में भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ व अमृत महोत्सव पर घर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद स्वजातीय बंधुओं द्वारा महाराजा अग्रसेन जी का पूजन अर्चन किया गया जिसके उपरांत *नवनिर्वाचित कार्यकारणी के सुप्रीत अग्रहरि (अध्यक्ष), संजीव अग्रहरि (उपाध्यक्ष), संदीप अग्रहरि, (महामंत्री), राहुल अग्रहरि, (उपमंत्री) रोहित अग्रहरि (कोषाध्यक्ष)* द्वारा समाज की तन, मन व धन से सेवा करने की शपथ ली।शपथ ग्रहण व पद ग्रहण कार्यक्रम के उपरांत नगर निगम चुनाव में विजयी पार्षद श्रीमति अंजना मनीष अग्रहरि* व *श्रीमती वर्षा मनोज सेन* का कार्यकारणी एवं स्वजातीय बंधुओं द्वारा समृति चिन्ह, शॉल व श्रीफल से बधाई देकर सम्मानित किया एवं उनके उज्जवल भविष्य हेतु मंगलकामना की। इसके उपरांत उपस्थित स्वजातीय बंधुओं व महिलाओं द्वारा आपसी सद्भावना के साथ कजलियाँ मिलन पर्व मनाया व सम्मानीय महिलाओं ने सामूहिक राष्ट्र गान का आयोजन किया । संचालन- नरेश अग्रहरि (पत्रकार व केन्द्रीय मार्गदर्शक) संदीप अग्रहरी व श्री पंकज अग्रहरि (मिलौनीगंज) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी व संरक्षकगण रामकिशन अग्रहरि, केदारनाथ अग्रहरि, राजा गजराज अग्रहरि, विवेक अग्रहरि (पूर्व अध्यक्ष), संतोष अग्रहरि (पूर्व अध्यक्ष), डॉ. कैलाश अग्रहरि, प्रवीण अग्रहरि (पत्रकार, यश भारत) अरूण अग्रहरि (केन्द्रीय प्रवक्ता), रितेश अग्रहरि, पूर्व उपाध्यक्ष (अधारताल), शैलेन्द्र अग्रहरि (दरहाई), संजय अग्रहरि (गढाफाटक), दीपक अग्रहरि (मिलौनीगंज), अमित अग्रहरि (पड़ाव), अमित अग्रहरि (मिलौनीगंज), जितेश अग्रहरि (ग्रीन सिटी), विकास अग्रहरि (उखरी रोड), मंगल अग्रहरि, रवि अग्रहरि (मिलौनीगंज), राजू अग्रहरी त्रिमूर्ति नगर (मिलौनीगंज) आदि की उपस्थिति रही।

राखी में घर आई बहन की उठी अर्थी

कचरा फेंकते समय खेत में बिखरे वायरों से लगा करंट, क्षेत्र में हड़कंप

बरेला के लौहकरी में हृदय विदारक घटना, सहम गए लोग

जबलपुर, यशभारत। बरेला थाना अंतर्गत राखी के पावन त्योहार पर घर आई बहन की अर्थी उठी तो परिजन चीख पड़े। इसी घर से बहन की डोली विदा की थी और अब अर्थी उठाते वक्त परिजनों की जो हालत थी वह शब्दों में बयां करना मुश्किल है.....! पूरा मामला ग्राम लोहकरी का है। जहां घर की सफाई करते वक्त बहन घर के पीछे ही खेत में कचरा फेंकने गई थी, जहां खेत में बिखरे बिजली के नंगे तारों को टच करते ही पीड़िता झुलसकर नीचे गिर पड़ी। जहां उसकी मौत हो गयी। जानकारी अनुसार पुलिस को मोतीलाल मरावी 55 वर्ष निवासी ग्राम लौहकरी टिकरी ने बताया कि उसकी पत्नी लीला बाई एवं बेटी विनीता घर पर साफसफाई कर रही थीं उसी समय घर से कचरा फैकने बाहर खेत में निकली थी। जिसमें लोहे की तार फैंसिंग हुयी है। खेत में गर्मी में उड़द की फसल थी। लेकिन बेटी को नहीं मालूम था। खेत में लगे फैंसिंग में बिजली के नंगे तार टंगे थे। जिसमें करंट था, कचरा फैंकते समय बेटी बिनीता बाई ने तार को टच कर दिया। जिससे करंट लगने से उसकी बेटी बिनीता बाई मरावी पति राजेन्द्र कुमार 35 वर्ष की मौत हो गयी है, सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

अटल बिहारी बाजपेई का पुण्य स्मरण

जबलपुर, यशभारत। कमला नेहरू नगर गढ़ा रोड व्यापारी संघ द्वारा स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेई को याद करते हुए उनके चरणों में पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष धनंजय बाजपेई पूर्व महाधिवक्ता विजय पांडे जी यदुवंश मिश्रा जी शशांक बर्मन विजय गुप्ता अखिलेश मेहता आदि उपस्थित थे अटल बिहारी जी अमर रहे अमर रहे अमर रहे जब तक सूरज चांद रहेगा सम्मानीय अटल बिहारी बाजपेई जी आप का इतिहास में नाम रहेगा सभी ने नारे लगाए।

दोनों राज्यों की पेंशन शर्तों को समाप्त कर पेंशनर्स को राहत दी जाए

म.प्र. छत्तीसगढ़ संयुक्त राज्य पेंशनर्स फेडरेशन भोपाल पेंशनर्स एसोसियेशन ने रखी मांग

जबलपुर, यशभारत। म.प्र. छत्तीसगढ़ संयुक्त राज्य पेंशनर्स फेडरेशन भोपाल पेंशनर्स एसोसियेशन ने राज्यों के बटवारे की जो भी शर्त बनी थी उसमें म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ राज्य में नियम की धारा 49 के अंतर्गत अन्य मामलों के अतिरिक्त दोनो राज्यों के शासकीय पेंशनरों (फेमिली पेंशनर सहित) की पेंशन एवं महंगाई राहत सहित अन्य आर्थिक भुगतान करने में दोनों राज्यों की सहमति आवश्यक मानी गई जो 22 वर्ष बाद भी लागू है। जबकि धारा 49 में ऐसा कहीं भी उल्लेख नहीं मिलता है । परंतु यह प्रथा वर्तमान में भी लागू है। इसके कारण म.प्र. और छत्तीसगढ़ के शासकीय पेंशनर भुगतान में अनावश्यक विलम्ब होने से अपनी वृद्धावस्था में आर्थिक रूप से परेशान रहते हैं यहाँ यह भी ध्यान दिलाना आवश्यक है कि यह पद्धति उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, और उत्तराखंड में नहीं है।बैठक में डीबी नागर, नरेश शर्मा, कृपाल सिंह, राजकुमार दुबे, विनय तिवारी सहित अन्य मौजूद थे।

ये मांगे पूरी की जाए

तरुण भानोत पूर्व वित्तमंत्री म.प्र. शासन ने म.प्र. छत्तीसगढ़ राज्य पुर्नगठन अधिनियम की धारा 49 को विलोपित के संबंध में अतारांकित प्रश्न विधानसभा में किया है, जो पेशनरों के हित को ध्यान रखा गया है। हमारी आपसे विनम्र प्रार्थना है कि धारा 49 की समाप्ति के लिये जो भी आवश्यक कार्यवाही की जाना हो उसे तत्काल पूर्ण कर पेंशनरों की वेदना को समाप्त कराया जायें। जब तक यह कार्यवाही पूर्ण नहीं होती है उस समय तक अन्तरिम तौर पर केन्द्रीय दर पर पेंशनरों को मिलने वाली महंगाई राहत दिलाना प्रारंभ किया जायें। कृपया अवगत हो कि म.प्र. के कर्मचारियों को वर्तमान में 31 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है, परंतु दोनो राज्य (म.प्र. और छत्तीसगढ़) की आपसी सहमति न होने से पेंशनरों को केवल 17 (14 प्रतिशत कम) महंगाई राहत मिल रही है, जो इस वृद्धावस्था में पेंशनरों के साथ घोर अन्याय है। वृद्ध बीमार पेशनर्स को औषधि निरंतर मिलती रहे जिसके लिये आयुष्मान भारत, निरामयम बीमा योजना वर्षा करने हेतु इस महत्वपूर्ण विलय पर शासन स्तर पर एवं पेंशनरों के अधोहस्ताक्षरी पदाधिकारियों की बैठक तत्काल प्रारंभ किया जायें।

नगर निगम कमिश्नर के खिलाफ हुए निगम के कर्मी

नगर निगम कर्मियों ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

16 घंटे काम करने के बाद भी अभद्रता कर रहे बर्दाश्त नहीं करेंगे

जबलपुर, यशभारत। नगर निगम कमिश्नर आशीष वशिष्ठ की कार्यप्रणाली को लेकर कर्मचारी-अधिकारियों ने मोर्चा खोल दिया है। निगम कर्मियों ने निर्णय लिया है कि अगर आयुक्त अपनी कार्यप्रणाली पर सुधार नहीं करेंगे तो सभी कर्मचारी अधिकारी 18 अगस्त से हड़ताल पर चले जाएंगे। कमिश्नर के खिलाफ एक शिकायत कर्मियों ने महापौर को सौंपी है जिसमें मांग रखी है कि आयुक्त कार्यशैली सुधारकर काम कराते हैं तो वह काम करेंगे नहीं तो हड़ताल करेंगे।

नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी संगठन के अमित मेहरा, मन्नू पटेल,संतोष गौतम,मुकेश परास, राजेंद्र पटेल,नरसंभलू, राजेश मिश्रा ने बताया कि 16 घंटे काम करने के बाद भी आयुक्त अभद्र तरीके से बात करते हैं, गलती नहीं होने के बाबजूद वेतन काट दिया जाता है। यहां तक निलंबन जैसी कार्रवाई भी की जा रही है। अब ये बर्दाश्त नहीं होगा, आयुक्त की ये कार्यशैली का जवाब दिया जाएगा। कर्मचारी-अधिकारी ऐसा बर्ताव किया जाता है कि जैसे कोई काम ही नहीं कर रहे हो। तय समय ज्यादा काम करने के बाद भी फोन पर अभद्र तरीके से बात आयुक्त द्वारा की जाती है।

संवैधानिक बैठक के दौरान सहायक श्रम कल्याण आयुक्त से हुज्जत

सीक्यूए (जीसीएफ) में जेसीएम सदस्य पर 10 लाख रुपये की मानहानि का दावा

जबलपुर यशभारत। जीसीएफ के उत्पादनों की गुणवत्ता जांच करने के लिए नियुक्त संस्थान में कंट्रोलर द्वारा आयोजित जेसीएम-4की बैठक में उस समय अजीब स्थिति बन गई जब बैठक के दौरान मुद्दों पर चर्चा न करते हुए लाल झंडा यूनियन के जेसीएम-4के एक सदस्य ने सहायक श्रम कल्याण आयुक्त (केन्द्रीय) जुगराज सिंह जो जेसीएम में बतौर पदेन सदस्य हैं और सरकार के निर्देश के अनुरूप वहां की तीनों यूनियनों के वार्षिक प्रतिवेदनों का परीक्षण कर रहे थे।ताकि तीनों यूनियन कर्मचारी हित में निर्बाध कार्य करें।लेकिन तभी जेसीएम सदस्य (लाल झंडा) ने सहायक श्रम कल्याण आयुक्त के दायित्व निर्वहन न केवल बाधा डाली अपितु उन पर आरोप लगाते हुए कहा कि आपको दूसरी यूनियन से मुनाफा हो रहा है।यह केवल एक बार नहीं कई बार उन्होंने दोहराया वो भी तब जब संस्थान के प्रमुख कंट्रोलर बिग्रेडियर बी महापात्र बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे और अधिकारी तथा कर्मचारी वर्ग के जेसीएम सदस्य उपस्थित थे।

जानकारी के अनुसार27जून 22 को आहूत बैठक में लाल झंडे के चुने सभी5सदस्यों के साथ इंटक और बीपीएमएस के2-2प्रतिनिधि शामिल थे।चूंकि यूनियनों ने कई वर्षों से अपने वार्षिक प्रतिवेदन जमा नहीं किये थे।इसलिए सहायक श्रम कल्याण आयुक्त क्रम से इंटक और बीपीएमएस के प्रतिवेदन का अवलोकन कर रहे थे।तभी लाल झंडे के जेसीएम सदस्य ने सहायक श्रम कल्याण आयुक्त (केन्द्रीय) की हुज्जत करते हुए कहा कि दूसरी यूनियन से आपको बहुत मुनाफा हो रहा है। इससे व्यथित ए एल सी ने उनसे जानना भी चाहा कि वे कैसे इस तरह के आरोप लगा रहे हैं।लेकिन राजेश विश्वकर्मा अपनी ओर से बार बार वही रट लगाये रहे।

उल्लेखनीय है कि किसी भी औद्योगिक संस्थान चाहे वह निजी हो या सरकारी वहां पर औद्योगिक शांति बनाए रखने में भारत सरकार श्रम मंत्रालय के श्रम कल्याण आयुक्त की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।वे मालिक/नियोक्ता और श्रम संगठनों के बीच सेतु की भूमिका का निर्वहन करते हैं।वे संवैधानिक संस्थाओं वर्क्स कमेटी और जेसीएम आदि के पदेन सदस्य होते हैं।जेसीएम में यूनियन के प्रतिनिधियों की नियुक्ति का अधिकार नियोक्ता को होता है पदेन सदस्य को नहीं।लेकिन वहां पर ए एल सी पर जबरन दूसरी यूनियनों के सदस्यों को बुलाने के आरोप के साथ उन्हें बैठक से बाहर निकालने की बात लाल झंडा सदस्य उठाते रहे। जबकि यह सवाल उन्हें अपने नियोक्ता से करना चाहिए था।

बहरहाल जेसीएम सदस्य के इस कृत्य को नियोक्ता कंट्रोलर ने भी गंभीर कदाचरण मानते हुए सी सी एस रूल14के तहत चार्जशीट सौंप कर जबाब मांगा है।वहीं सहायक श्रम कल्याण आयुक्त जुगराज सिंह ने उन्हें मानहानि के लिए लीगल नोटिस जारी करते हुए10लाख रुपए की मानहानि का दावा न्यायालय में पेश करने का फैसला लिया है।इसी के साथ सहायक श्रम कल्याण आयुक्त ने उन पर बेबुनियाद आरोप के साथ उन पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।

अशोक कुमार ओएफके के नये महाप्रबंधक

जबलपुर यशभारत। आयुध निर्माणी खमरिया के प्रबंधन में बड़े स्तर पर बदलाव किया गया है।इसके आदेश कल16अगस्त को म्युनिंशन इंडिया लिमिटेड की ओर से जारी कर दिये हैं। अब खमरिया के नये महाप्रबंधक अशोक कुमार को बनाया गया है जो वर्तमान में वहीं अपर महाप्रबंधक हैं।वर्तमान महाप्रबंधक एस के सिन्हा को एडीशनल महाप्रबंधक नेशनल एकेडमी डिफेंस प्रोडक्शन बनाया गया है।ओएफके के अपर महाप्रबंधक बी बी सिंह जो ओएफआईएल के प्रभारी महाप्रबंधक को स्थायी रूप से महाप्रबंधक नियुक्त किया गया है।श्री सिंह के अक्टूबर में सेवानिवृति के बाद उनके स्थान पर ज्ञानेश्वर त्यागी महाप्रबंधक होंगे।इसके साथ ही अपर महाप्रबंधक संयोग सिंह सलाथिया अपर महाप्रबंधक ओएफ देहरादून को उसी पद पर ओएफके भेजा गया है।इसके अतिरिक्त ओएफके में रामशंकर सोनी और अशोक कुमार मीणा नये संयुक्त महाप्रबंधक पदस्थ किया गया है।

ज्ञान गंगा में आजादी का अमृत महोत्सव

जबलपुर। ज्ञान गंगा इंटरनेशनल स्कूल में 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। 13 अगस्त से ही 'हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा' महोत्सव से प्रारंभ होकर15 अगस्त को ध्वजा रोहण एवं अन्य रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। 13 अगस्त को ज्ञान गंगा के विद्यार्थियों ने हाथों में तिरंगा लेकर भारतीय मानचित्र और 75 की आकृति के रूप में खड़े होकर अद्भुत झांकीका निर्माण किया। जो अत्यन्त मनोरम, आर्कषक एवं आद्वितीय थी। साथ ही साथ बच्चों ने भारत माता की जय के नारे लगाते हुए रैली के रूप में अपने देश प्रेम को प्रकट किया। इस जोश में छात्रों और शिक्षकों की जुगलबंदी अद्भुत नजर आई। इसी तारतम्य में 15 अगस्त को 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शाला की प्रबंधक समिति के डी.सी. जैन 'चेयरमेन' ज्ञान गंगा समूह, डॉ. रजनीत जैन, 'डायरेक्टर' ज्ञान गंगा इंटरनेशनल स्कूल, डॉ. नितिन जैन 'एग्जिकेटिव डायरेक्टर', डॉ. भरतेशभारिल 'सेक्रेटरी', श्रीमती सपना जैन 'ज्वाइंट सेक्रेटरी', श्रीमती नीतिका जैन 'कोषाध्यक्ष', डॉ. नन्दनी भारिल, पंकज गोयल,राकेश सिंघई, विशेष जैन एवं अमितेश भारिल की उपस्थिति ने समारोह में चार चाँद लगा दिए। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार चंदेल एवं समस्त शाला परिवार उपस्थित था।

ब्रह्मज्ञान को जानना ही मुक्ति नहीं उसे प्रतिपल जीना वास्तविक मुक्ति

जबलपुर। 'ब्रह्मज्ञान को जीवन का आधार बनाकर निरंकार से जुड़े रहना और मन में उसका प्रतिपल स्मरण करते हुए, सेवा भाव को अपनाकर जीना ही वास्तविक भक्ति है। पुरातन संतों एवं भक्तों का जीवन भी ब्रह्मज्ञान से जुड़कर ही सार्थक हो पाया हैं।'' यह उक्त उद्गार निरंकारी सत्गुरू माता सुदीक्षा महाराज ने 'मुक्ति पर्व' समागम के अवसर पर लाखों की संख्या में एकत्रित विशाल जन-समूह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। सत्गुरू माता जी ने आशीर्वाद देते हुए फ़रमाया कि ''ब्रह्मज्ञान को जानना ही मुक्ति नहीं अपितु उसे प्रतिपल जीना ही वास्तविक मुक्ति है।'' यह अवस्था निरंकार को मन में बसाकर उसके रंग में रंगकर ही संभव है क्योंकि ब्रह्मज्ञान की दृष्टि से जीवन की दशा एवं दिशा एक समान हो जाती है। संत निरंकारी मिशन द्वारा प्रतिवर्ष 15 अगस्त, अर्थात् 'स्वतंत्रता दिवस' को 'मुक्ति पर्व' के रूप में भी देश विदेश में मनाया जाता है जबलपुर धनपुरी में भी मंडला से आये अनिल वानी के सानिध्य में मनाया गया। धनपुरी के मुखी रामसेवक केशरवानी व जोनल इंचार्ज नवनीत नागपाल तथा सेकड़ों की संख्या में साधसंगत ने जहां सभी देश के वीरों का त्याग बलिदान को याद कर शारीरिक बंधनों से मुक्त करवा कर स्वतंत्रता दिलवाई वहीं उन संतों को भी याद किया जिन्होंने आध्यात्मिक मुक्ति हेतु सत्य का मार्ग प्रशस्त करने में योगदान दिया।

पुलिस के घर में चोरी

छटवी बटालियन के एएसआई के सूने घर में ताला तोड़कर सोने-चांदी के कीमती जेवर सहित नकदी पार

जबलपुर, यशभारत। रांझी क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। चोर अब पुलिस के घर में ही चोरी कर रहे हैं। रांझी थाना क्षेत्र के सर्रापीपल निवासी एएसआई मुकेश कुमार मेहरा के सूने घर का ताला तोड़कर चोरों ने सोने-चांदी के कीमती जेवर सहित नकदी रुपए चोरी कर लिए। जिसकी रिपोर्ट एएसआई ने रांझी थाने में दर्ज कराई है। एएसआई मुकेश मेहरा के मुताबिक छटवी बटालियन में हैं। जिनके परिवार के सभी सदस्य 10 अगस्त को गोटेगांव गए हुए थे। इसके बाद एएसआई भी 12 अगस्त को दोपहर 3 बजे घर में ताला लगाकर गांव चला गए। वहीं जब 16 अगस्त को वह घर वापस आए तब उनके घर का ताला टूटा हुआ था। साथ ही अलमारी में रखे सोने-चांदी के कीमती जेवर सहित नकदी रुपए गायब थे। जिसके बाद एएसआई ने रांझी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। वहीं पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

युवक को डम्पर चालक ने कुचला

रॉड साइड से बाइक चलाना बना जानलेवा, दो घंटे रोड पर पड़ा रहा शव

पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया, आरोपी डम्पर चालक फरार

जबलपुर, यशभारत। गढ़ा थाना अंतर्गत जसूजा सिटी रोड पर देर रात तेवर से शहर आ रहे एक बाइक चालक को बेकाबू डम्पर चालक ने कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। हादसे के बाद रोड पर ही खून से लथपथ शव करीब दो घंटे तक पड़ा रहा। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला कि मृतक जल्दबाजी के चक्कर में रॉग साइड से बाइक चला रहा था। पुलिस मामले के पड़ताल में जुटी है। गढ़ा एसआई ब्रजेन्द्र तिवारी ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि तेवर निवासी बुद्धू रैकवार उम्र करीब 45 साल तेवर से किसी काम के चलते जबलपुर आ रहा था। तभी जबाली पैलेस के पास बाइक चालक युवक को तेज रफ्तार डम्पर चालक ने सीधी टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक करीब दस फिट दूर जा गिरा। हादसे में युवक के सिर में गंभीर चोट आने के बाद मौके पर ही युवक ने दम तोड़ दिया।

क्षेत्र में हड़कंप, रोड पर जाम

हादसे के बाद मौके पर पुलिस को सूचना दी गई। जिसके बाद करीब दो घंटे तक युवक का शव रोड पर ही पड़ा रहा। इस घटना को जिसने भी देखा उनका कलेजा मुंह को आ गया। वहीं, रोड के दोनों साइड पर जाम की स्थिति रही। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सुपर मार्केट में लाखों की चोरी

पुलिस खंगाल रही सीसीटीव्ही फुटेज

जबलपुर, यशभारत। लार्डगंज के सुपर मार्केट स्थित ज्वेलरी शॉप के 10 तालों को कटर से काटकर अज्ञात आरोपियों ने लाखों के जेवरात और नगदी पार कर दी। जिसके बाद पुलिस सीसीटीव्ही फुटेज में आरोपियों को खंगाल रही है। गौरतलब है कि सुपर मार्केट के पास गहनों का शो रुम है। जिसके संचालक सुनील कुमार जैन हैं। कल सुनील कुमार की बहन ममता जैन जो कि स्कूल संचालिका हैं वह जब स्कूल जा रही थी तो उन्होंने देखा कि उनके भाई की दुकान के ताले कटे हुए हैं। जिसकी सूचना उन्होंने तुरंत ही अपने भाई को दी। जानकारी लगते ही सुनील कुमार जैन मौके पर पहुंचे और फिर चोरी की सूचना लार्डगंज थाने में दर्ज करवाई। मौके पर पहुंचे एएसपी गोपाल खाण्डेल ने बताया कि दुकान के पीछे एक चैनल गेट है उसका ताला काटकर चोर अंदर गए हैं। पुलिस आरोपियों की सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है।

संविदा कर्मियों की मानसिकता पर हो रहा कुठाराघात

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति ने बताया कि प्रदेष में लाखों संविदा कर्मचारी विभिन्न विभागों में अपनी सेवा 20 वर्षो से संविदा नियुक्ति पर देते आ रहे हैं परंतु उन्हे आज दिनांक तक नियमित नहीं किया गया। साथ ही ये संविदा कर्मी सभी विभागों में नियमित कर्मचारियों के समान ही कार्य करते है परंतु वेतन उन्हे समान कार्य समान वेतन के अनुसार या अनुरूप नहीं मिलता जबकि ये संविदा कर्मी अपनी पूरी लगन और मेंहनत से ईमानदारी से अपने कार्यो का निरवहन करते है परंतु उन्हे वे सभी वित्तीय लाभ नहीं मिलते जो नियमित कर्मचारियों को मिलते हैं। शासन-प्रशासन के द्वारा उन्हे समय-समय पर आषवासन तो मिलता रहा है कि उन्हे अति शीघ्र नियमित किया जाएगा परंतु आज दिनांक तक किसी प्रकार का आदेष जारी नहीं हुआ।

तस्कर 200 रुपए में बेंच रहा था नशे के इंजेक्शनों का सेट

आरोपी को दबोचकर 42 इंजेक्शन किए जब्त

क्राइम ब्रांच और रांझी पुलिस की कार्रवाई, आरोपी से पूछताछ जारी

जबलपुर, यशभारत। नशे में नशे का कारोबार चरम पर है। जिसकी बानगी रांझी के आमानाला में उस वक्त देखने मिली जब क्राईम ब्रांच और पुलिस टीम ने एक आरोपी को दबोचकर 42 नशीले इंजेक्शन जब्त किए। आरोपी ने बताया कि वह 200 रुपये प्रति सेट, ग्राहकों को यह नशे के इंजेक्शन सप्लाई करता था। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है।

थाना प्रभारी सहदेव साहू ने बताया कि क्राईम ब्रांच को सूचना मिली कि आमानाला मेजर किराना के पास विपिन केवट नशीले इंजेक्शन नशा करने के लिये लोगों के बेच रहा है सूचना पर घेराबंदी कर विपिन उर्फध्रुवलाल केवट 22 वर्ष निवासी आमानाला मेजर किराना के पास रांझी को दबोचा गया। जिसकी तलाशी लेने पर थैली में 21 पेकाविल 10 एमएल इंजेक्शन तथा व्यूपिन 2 एमएल के 21 इंजेक्शन रखे मिला। जिसने पूछताछ में बताया कि नशा करने वालों को 200 रूपये प्रति सेट के हिसाब से इंजेक्शन बेचता था। 42 इंजेक्शन जप्त करते हुये आरोपी के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./ /-6/2022-23
जबलपुर, दिनांक 16/12-2

// आम इश्तहार //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रभात सराफ पिता/पति स्व. गोविंद दास सराफ निवासी 407/1 कोतवाली नया 1112 मिलोनीगंज ब्लॉक नंबर 14 प्लॉट नंबर 87/1 में से रकवा 1189.5 वर्गफुट भूमि जो आवेदक के द्वारा वसीयतकर्ता - गोविंददास सराफ से रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 19/4/22 से प्राप्त किया जाना लेख किया है।

तत्संबध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 31/8/2022 तक इस न्यायलय में स्वंय या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा !

आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

संपादकीय

अमृत महोत्सव पर पांच संकल्प

देश ने आजादी के 75 वर्ष पूरे किये। इसे अमृत महोत्सव का नाम दिया गया था। स्वतंत्रता दिवस पर पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान से इस महोत्सव में राष्ट्रीयता का रंग भरने का सार्थक प्रयास भी हुआ। लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अगले पच्चीस सालों के लिये पांच संकल्पों का आह्वान किया है, जिसमें हमारी भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इन पांच संकल्पों में देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रयत्नशील होना, किसी भी तरह की गुलामी से मुक्त होना, अपनी विरासत पर गर्व करना, देश में एकजुटता लाना तथा एक नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य निभाना शामिल हैं।उन्होंने पांच संकल्पों के जरिये देशवासियों में उत्साह भरने का प्रयास तो जरूर किया, लेकिन कार्यपालिका के मुखिया होने के नाते उम्मीद थी कि वे बतायेंगे कि अगले पच्चीस साल के लिये देश का विकास का मूलमंत्र क्या होगा। दूसरी ओर उन्होंने भ्रष्टाचार व भाई-भतीजावाद पर तीखे हमले किये। इस बाबत उन्होंने देश के नागरिकों को भी जागरूक होने का आह्वान किया। भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के चलते प्रतिभाओं को उनका मुकाम नहीं मिलता। उनकी प्रतिभा कुंठित होती है। लेकिन यह हमारे तंत्र पर सवालिया निशान है कि क्यों पिछले 75 सालों में हम देश को भाई-भतीजावाद व भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं कर पाये। कहने के साथ ही भ्रष्टाचार के जड़ से उन्मूलन की भी गंभीर कोशिश होनी चाहिए। वहीं आलोचक यह भी कहने लगे कि प्रधानमंत्री ने चुनावी महासमर का एजेंडा तय कर दिया है और अगला आम चुनाव भ्रष्टाचार व भाई-भतीजावाद के मुद्दों पर ही लड़ा जायेगा। बहरहाल, एक बात तो तय है कि भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिये जहां राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है, वहीं देशवासियों को भी भ्रष्टाचार के खिलाफ डटकर खड़ा होना होगा। आखिर गंभीर अपराधों में लिप्त व अदालत द्वारा सजा दिये जाने के बाद कोई व्यक्ति कैसे चुनकर फिर जनप्रतिनिधि सभाओं में काबिज हो जाता है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार उन्मूलन में जनता का सहयोग मांगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसी को रहने के लिये घर नहीं मिलता और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है। नागरिक कर्तव्यों के आह्वान के रूप में एक अच्छी बात उन्होंने यह भी कही कि बिजली व पानी पहुंचाना सरकारी मशीनरी का दायित्व है लेकिन उसका किफायती उपयोग करना किसान व आम आदमी की जिम्मेदारी है, ताकि सुविधा का दुरुपयोग न हो। दूसरे सामाजिक जीवन में महिलाओं की गरिमा बनाये रखने पर उन्होंने जोर दिया। निश्चित रूप से आज भारतीय नारी जीवन के हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है लेकिन देश विकसित राष्ट्र की दहलीज में तभी कदम रख सकता है जब हम लैंगिक भेदभाव से मुक्त होकर महिलाओं को वास्तव में बराबरी का दर्जा दें। अब चाहे यह घर में बेटा-बेटी की बात हो या सार्वजनिक जीवन में महिलाओं से हमारा व्यवहार हो, वह समतामूलक व गरिमामय होना जरूरी है। लेकिन भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिये यह अनिवार्य शर्त है कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य विपक्ष के रचनात्मक सहयोग के बिना संभव न होगा। वहीं विविधता के इस देश में सभी संस्कृतियों व धर्मों का भी पूरा सम्मान जरूरी है। हमारे धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को भी अक्षुण्ण रखना जरूरी होगा। तभी देश एक विकसित राष्ट्र के रूप में ढलने के लिये तैयार होगा।

जातिवाद का मटका कब फूटकर बिखरेगा ?

भारतीय लोकतंत्र का मूल्य संविधान में निहित है और संविधान छुआछूत तथा अस्पृश्यता का निषेध करता है। फिर स्कूल के घड़े में रखा पानी पीने पर दलित बच्चों की क्रूरता से पिटाई क्यों? मासूम बच्चे को अभी पता भी नहीं था कि जाति क्या है और वह जातिगत छुआछूत प्रताड़ना का शिकार हो गया। आखिर हम और समाज मटके से कब आजाद होंगे? राजस्थान में तीसरी कक्षा के विद्यार्थी नौ वर्षीय इंद्र मेघवाल की हत्या हमारे उन सब गर्वों पर कलंक है जिनका बखान हम धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिकता के नाम पर करते हैं। ऊँच- नीच को भगवान की देन बता-बता कर, सामाजिक नियंत्रण और डर फैलाना एक प्राचीनतम मनोवैज्ञानिक-सामाजिक हथियार है। भारत की गुलामी के इतिहास में झांके तो हम पाएंगे कि धर्म का समर्थन प्राप्त जातिवादी मानसिकता भारत की गुलामी और हार का सबसे बड़ा कारण है। अगर किसी भी समाज को गुलाम बनाने की सामुदायिक-सांस्कृतिक लत है तो स्वतंत्रता का ढोंग क्यों हो ? सरस्वती मंदिर में अस्पृश्यता की बीमार परम्परा के प्रहार से घायल इंद्र मेघवाल की मौत क्या दिखाती है? ऐसे संवेनदशील मामलों में सिर्फ शिक्षक के विरुद्ध कार्यवाही पर्याप्त नहीं है इसके लिए शिक्षण संस्थान भी जिम्मेदार बनते है जो ऐसे जातिवादी इलाकों में स्कूल में मटका रखने की अनुमति देते हैं इसलिए ऐसे शिक्षण संस्थाओं को इनका तोड़ ढूंढना होगा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 के तहत अस्पृश्यता का अंत किया गया है और इसका किसी भी रूप में पालन करना अपराध घोषित किया गया है। इसलिए राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि उसके क्षेत्र में किसी प्रकार का छुआछूत प्रैक्टिस में ना रहे। इस देश में दो मराठी महापुरुष आये। दोनों ने देश पर इतना उपकार किया कि ये देश उनका उपकार नहीं भुला सकता। एक ने धर्म की रक्षा की छत्रपति शिवाजी महाराज और उनका धर्म था इन्सानियत। दूसरे ने देश को रास्ता बताया भारतीय संविधान लिखकर। हम इन दोनों से कब सीखेंगे? 75 साल पहले हमें अंग्रेजी हुकूमत से आजादी तो मिली लेकिन 75 साल बाद भी जातिवाद से नहीं।

पहले अस्पृश्पृयता बहुत ज्यादा थी, जो आज के दौर में कही -कहीं दिखाई देती है। ऊंच-नीच, छुआछुत के कारण पहले ऊँची जाति के लोग (खासकर ब्राह्मण,बनिये) नीची जाति के लोगों के पास से निकलते हुये निश्चित दूरी बनाकर निकलते थे और किसी चीज के लेन-देन के वक़्त हाथों मे एक निश्चित फासला रखते थे। मगर ऐसी बातें सुनकर हँसी तब आती है जब कोई नीची जाति का आदमी बनिये की दुकान से कुछ खरीदने जाता तो बनिया उसके हाथ से पैसे लेते वक्त कोई फासला नहीं रखता लेकिन उसके बदले समान देते वक्त फासला बना लेता। तो फिर अछूत कौन हुआ ? सोचिये। अब वक्तने करवट बदली है, बिजली पानी मे कुछ सरकारी दखलंदाज़ी होने से अब पानी खींचना नहीं पड़ता। गाँव में नीची जाति के लोग आज बे-धडक अंदर आ जाते हैं और पास रखी कुर्सी या स्टूल पे धडल्ले से बैठ जाते हैं। हाथ मिलाना, साथ चलना तो आम हो गया। कुंए की जगह अब पानी की टंकियाँ बनी है जिसमे नल लगे हैं मगर अब उन नलों का जाति के हिसाब से बंटवारा नहीं किया गया। ये सामाजिक बदलाव की पहल वक्त ने की है, न की किसी जाति विशेष ने। देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, वहीं दूसरी तरफ पानी के मटके को छूने पर मासूम को इतना पीटा गया कि जान ही चली गयी। 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता मिली थी। ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विपरीत, लोग सभी प्रकार के भेदभाव से मुक्त सम्मानजनक जीवन जीने की आशा रखते थे। हालाँकि अब उत्पीड़कों ने केवल अपना रूप बदल लिया है। कौन नहीं जानता कि आज भी स्कूलों में मिड डे मील को दलित बच्चे छू लेते हैं तो लोग कहते हैं हमारे बच्चों को दीन हीन कर दिया। हम आये दिन कहीं न कहीं ये पढ़ते है कि मिड-डे मील के बचे हुए खाने को स्कूल के पड़ोस में रहने वालों ने सिर्फ इसलिए नहीं लिया क्योंकि खाना देने दलित बच्चे गये थे। प्रगतिशील राज्यों में से एक होने और सामाजिक न्याय का दावा करने वाले तमिलनाडु अस्पृश्यता उन्मूलन मोर्चा के सर्वे में खुलासा हुआ है कि 386 पंचायतों में से 22 में दलित ग्राम प्रधानों को बैठने तक के लिए कुर्सी नसीब नहीं होती। ऐसे में बिना भेदभाव खत्म हुए किसी भी आजादी का कोई मतलब नहीं है।इंद्र कि मौत के इस जघन्य कृत्य के लिए हम सब शर्मिंदा है। 75 साल हो गए पर देश के कुछ ऐसे नीच बुद्धि वाले लोग है जो अपने आप को भगवान समझते हैं और देश के आज़ाद होने के बाद भी ऐसी नीच मानसिकता रखते हैं। जब तक ऐसे लोग रहेंगे देश कभी आज़ाद नही रहेगा। मासूम बच्चे ने सोचा कि जब आजादी के अमृत महोत्सव का ढोल पूरे देश में जोर शोर से पीटा जा रहा है तो शायद मैं भी आजाद हूँ। उसे क्या पता था की ये आजादी उसके लिए नही। वह अबोध बालक हजारों प्रश्न देश के सामने छोडकर आज चला गया। समाज और देश के असली दुश्मन तो इस तरह की मानसिकता वाले लोग हैं जो एक शिक्षक जैसे आदर्श व्यक्तित्व के रूप में स्कूल का संचालन कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को निजी स्कूलों के लिए भी कुछ चारित्रिक मापदंड अनिवार्य करना चाहिए।

जब तक भारतीय समाज और राज्य को संचालित करने वाले केंद्रों-संस्थाओं पर से वर्ण-जाति की विचारधारा के लोगों का कब्जा खत्म नहीं होता है, तब इंद्र मेघवाल अपमानित होते रहेंगे और मारे जाते रहेंगे, बस वजहें अलग-अलग होंगी। वर्ण-जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करने वाली बहुजन वैचारिकी और बहुजन नायकों को भारतीय समाज के केंद्र में स्थापित किए बिना डॉ. आंबेडकर से लेकर इंद्र मेघवाल तक को पानी का घड़ा छूने के लिए दंडित करने की परंपरा को खत्म नहीं किया जा सकता है। यह प्रतिकार सिर्फ इंद्र मेघवाल की हत्या तक सीमित नहीं होना चाहिए। हजारों सालों की ऊंच-नीच की भेदभाव भरी व्यवस्था के खिलाफ होना चाहिए।

-प्रियंका सौरभ

भावुक और दार्शनिक लेकिन सख्ती से भरी

आजादी के गुमनाम मतवालों को याद करते हुए स्वतंत्रता दिवस के 76 वें मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बेहद अलग, दार्शनिक लेकिन संकल्पित अंदाज में दिखे। उन्होंने भ्रष्टाचारियों को भी खुले तौर पर ललकारा तथा भाई-भतीजावाद का विरोध कर इसे नई पीढ़ी के खिलाफ बताया। लालकिले की प्राचीर से उनका यह पहला भाषण था जिसमें उन्होंने देशवासियों का बेहद भावुक अंदाज में आव्हान किया और बताया कि किस तरह आजादी के सैकड़ों वर्षों के संघर्ष, पराक्रम, बलिदान, त्याग और उपलब्धियों के चलते ही आज हम यहाँ तक पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री ने आने वाले 25 साल के लिए पंच प्रण यानी 5 संकल्पों पर सभी को अपनी शक्ति, संकल्प तथा सामर्थ्य के साथ केंद्रित होने का आग्रह किया। पहला प्रण देश बड़े संकल्प के साथ चले जिसमें हमें विकसित भारत से कम कुछ भी नहीं चाहिए। दूसरा प्रण किसी भी कोने में हमारे मन में गुलामी का लेशमात्र अंश भी न रहे। हमें वैसा ही होना चाहिए जैसे हैं। अब बिल्कुल जरूरी नहीं कि सात समंदर पार के गुलामी के जरा से भी तत्व रह जाएं। दासता के सभी निशान मिटा दें। तीसरा प्रण हमें हमारी अपनी विरासत पर गर्व करना होगा। यही वो विरासत है जो कभी भारत का स्वर्णिम काल था और जिस पर हमें गर्व होना चाहिए। चौथा प्रण एकता और एक जुटता का है। 130 करोड़ देशवासियों में ऐसी एकता हो जिसमें न कोई अपना न कोई पराया हो सब एक हों। एकता की ताकत एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपनों के लिए अहम है। पांचवां प्रण नागरिकों के कर्तव्य हैं सब इसे समझें और पूरा करें चाहे प्रधानमंत्री हो या मुख्यमंत्री कोई भी बाहर नहीं है।

इस बार प्रधानमंत्री का उद्बोधन और आत्मविश्वास का बेहद अलग ही दार्शनिक लेकिन दो टूक रहा जो बता रहा था कि वो एक नए भारत का खाका लालकिले की प्राचीर से देश के सामने रख रहे हैं। नरेन्द्र मोदी ने बड़े ही खुलेपन से कहा कि यह वही भारत है जिसने अन्न संकट पर आत्म निर्भरता प्राप्त की। युध्द की विभीषिकाओं, आतंकवाद से निपट कर हमने अपना सामर्थ्य दुनिया को दिखा दिया। यह भारत की संस्कार सरिता ही है जिसने सफलता-विफलता, आशा-निराशा के अनेकों पड़ावों के बाद भी देश को दुनिया में एक अलग मुकाम पर ला खड़ा किया। आज दुनिया को भारत जो दे रहा है वह किसी के पास नहीं है। व्यक्तिगत तनाव से निपटने खातिर भारतीय योग तो सामूहिक तनाव से निपटने के लिए भारतीय परिवारों के उदाहरण दिए जाते हैं। संयुक्त परिवार की सबसे बड़ी पूंजी सदियों से हमारी माताओं का त्याग और बलिदान है जिनके कारण ही परिवार नाम की जो व्यवस्था विकसित हुई वह हमारी बड़ी विरासत है जिस पर गर्व है।

नारी के सम्मान पर बेहद भावुक अंदाज में उन्होंने सबका ध्यान खूब खींचा। उन्होंने कहा किसी न किसी कारण से हमारे बोलचाल, व्यवहार में एक विकृति आई है। क्या हम स्वभाव, संस्कार, रोजमर्रा की जिंदगी में नारी को अपमानित करने वाली हर बात से मुक्ति का संकल्प ले सकते हैं? हम इस पर जितना ध्यान देंगे, जितना ज्यादा अवसर बेटियों को देंगे देखेंगे कि वो देश को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगी। अदालतों का उदाहरण देते हुए कहा कि वकील के तौर पर नारी शक्ति का वर्णन और गांवों में पंचायत से लेकर आज ज्ञान-विज्ञान के हर क्षेत्र में नारी शक्ति सिरमौर नजर आती हैं। पुलिस में सुरक्षा की जिम्मेदारी उठातीं तो खेल-कूद का मैदान देखें या युद्ध की भूमि देखें भारत की नारी शक्ति एक नए सामर्थ्य के साथ आगे आ रही हैं। आने-वाले 25 साल में ये योगदान और ज्यादा बढ़ेगा।

आजादी की जंग की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने उसके रूपों की भी चर्चा की। ऐसे ही एक रूप में स्वामी नारायण गुरु, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंदो, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जैसे अनेकों महापुरूषों ने देश के कोने-कोने में भारत की चेतना को जगाया। वहीं मंगल पांडे, तात्या टोपे, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, असफाक उल्ला खां, राम प्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांति वीरों का वो रूप भी दिखा जिसने अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिला दीं। वहीं अलूरी सीताराम राजू तो महिलाओं में रानी लक्ष्मी बाई, झलकारी बाई, रानी गाइडिंगलू, रानी चेनम्मा का दौर भी बताया। जब देश का कोई कोना या कोई काल ऐसा नहीं था जहाँ देशवासियों ने सैंकड़ों सालों तक गुलामी के खिलाफ जंग न लड़ी हो। तमाम यातनाएं झेलीं और अपने प्राणों तक की आहुति दे दी। ऐसे हर महापुरुष, हर बलिदानी और त्यागी को याद करने व नमन करने का अवसर बताया। प्रधानमंत्री ने बड़े संकल्पों का आव्हान करते हुए कहा कि जब संकल्प बड़े होते हैं तो पुरुषार्थ भी बड़ा होता है। युवाओं विशेषकर 20—22 वर्ष के नौजवानों से इस संबंध में अपेक्षाएं भी की और कहा कि पंच प्रण पर अपनी शक्ति को केंद्रित करना होगा। 2047 में जब आजादी के 100 साल होंगे तब आजादी के दीवानों के सारे सपनों को पूरा करने का जिम्मा उठाकर चलना होगा। प्रधानमंत्री के आज के उद्बोधन में उनका भारतीय दर्शन भी साफ झलक रहा था जिसमें उन्होंने कहा कि भारत ही दुनिया का वो देश है जिसकी जीवन शैली ने दुनिया को प्रभावित किया है। हमें अपनी विरासत पर गर्व होना चाहिए। हम ही वो लोग हैं, जो जीव में शिव देखते हैं, नर में नारायण देखते हैं, नारी को नारायणी कहते हैं, पौधे में परमात्मा देखते हैं, नदी को मां मानते हैं, कंकड़-कंकड़ में शंकर देखते हैं। सत्य एक है जिसे जानकार अलग-अलग कहते हैं। भारतीय ही जन कल्याण से जग कल्याण की राह पर चलने वाले लोग हैं। इसी एकता, एक जुटता का भाव इण्डिया फर्स्ट का भाव जगाता है, दिखाता है। उन्होंने प्राकृतिक खेती पर जोर दिया और हर ड्रॉप मोर क्रॉप का आव्हान किया जो बताता है कि देश के लिए एक-एक प्रयास पर उनका कितना ध्यान है। इतना ही नहीं विशेषकर बहुत छोटे बच्चों का जिक्र भी किया जो 5-7 साल के होकर भी देशी खिलौने से खेलने को लेकर समझ रखते हैं। यह भारत ही है जहाँ देश प्रेम की ऐसी सोच बचपन से बच्चों में भरी जाती है। इशारों ही इशारों में अनुशासित जीवन का जिक्र करते हुए पुलिस-पीपुल और शासक-प्रशासक को भी अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति चेताना बताता है कि इस पर अभी काफी कुछ दिखने वाला है। उन्होंने कहा शास्त्री जी ने देश की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जय जवान-जय किसान का नारा दिया। बाद में अटल जी ने इसमें जय विज्ञान को जोड़ा और अब देश की जरूरतों को देखते हुए इसमें एक नया जोड़ना आवश्यक है। इसलिए अब जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान की जरूरत है। आने वाला दौर डेकेड (10वर्ष) टेकेड (तकनीक) का होगा। नरेन्द्र मोदी ने लालकिले की प्राचीर से एक बड़ी बात कही जो अब बेहद सुर्खियों में रहने वाली है। उन्होंने भ्रष्टाचारी, परिवारवादी राजनीति करने वालों को आड़े हाथों लेते हुए बुरी तरह से लताड़ा और देश को बड़ा संकेत भी दिया कि देश के साथ खिलवाड़ करने और जन विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के और भी बुरे दिन आने वाले हैं। हमें अपनी संस्थाओं की ताकत का एहसास करने के लिए योग्यता के आधार पर देश को आगे ले जाना होगा और इसके लिए परिवारवाद के खिलाफ जागरूकता बढ़ानी होगी। भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है जिससे लड़ना है। जिन्होंने देश को लूटा है उन्हें लौटाना होगा। बैंक लूटनेवालों की संपत्ति जब्त हो रही है। हम भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक कालखंड में कदम रख रहे हैं।

-ऋतुपर्ण दवे

आपका राशिफल 18 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

फिल्म वर्ग पहेली - 5899

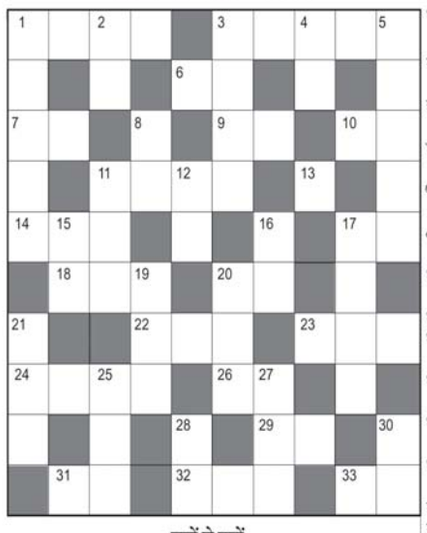

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने को' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुम्ना तुम्ना तक तक तुम्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मॅजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कैंगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 5898

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	शा		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			रा	जू		फ	र्ज		रा
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

ज्यादा सोचने की आदत डाल सकती है आपके दिमाग पर गहरा असर, अभी से हो जाएं सावधान

जब कोई व्यक्ति ज्यादा सोचता है तो इसका सीधा असर उसके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इससे व्यक्ति के अंदर नकरात्मक विचार आ सकते हैं। यह विचार आपके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालते हैं। शोध के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति के लंबे समय तक कुछ सोचता है तो इसका सीधा असर उसके स्वास्थ्य पर पड़ता है। आप जब भी कोई बात सोचते हैं तो दिमाग एक तरह का चक्रव्यूह रचना शुरु कर देता है। जिसके कारण आपके मन में नकरात्मक विचार आने लगते हैं। आपका मानसिक स्वास्थ्य भी इसके कारण प्रभावित होने लगता है। तो चलिए आपको बताते हैं गेटवे ऑफ हीलिंग की साइकोथेरेपिस्ट डॉ. चांदनी के इस बारे में क्या विचार हैं...

अधिक सोचने से व्यक्ति के अंदर गंभीर समस्याएं पैदा हो जाती हैं। उन समस्याओं में से एक है पीटीएसडी मतलब कि- Post-traumatic Stेस डिसॉर्डर। इस समस्या की वजह से व्यक्ति किसी मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो जाता है।

अधिक सोचने या फिर बोलने से होने वाले नुकसान

. जब कोई व्यक्ति जरुरत से ज्यादा सोचना या फिर बोलना शुरु कर देता है तो ऐसा करना उसकी आदत बन जाती है। वह हर समय वर्तमान में हो रही घटनाओं या भविष्य की चिंता करना शुरु कर देता है। ज्यादातर व्यक्ति इस चिंता में नकरात्मक विचारों के बारे में सोचते हैं जिससे वो उदास और निराश रहने शुरु हो जाते हैं।

. इससे व्यक्ति के अंदर सामाजिक समस्याएं पैदा होना शुरु हो जाती हैं। आप लोगों से दूरियां बनानी शुरु कर देते हैं। आप उन चीजों के बारे में भी सोचना शुरु कर देते हैं जो असल में हुई न हो। ऐसी चीजें आपका दायरा बांध देती हैं।

. इससे आपके रोज के कार्यों पर भी गहरा असर पड़ सकता है। यदि आप जॉब करते हैं तो आप अपने काम पर भी बिलकुल फोकस नहीं कर पाते। यह आदत आपको आलसी बना सकती है।

.इस समस्या से आपकी नींद और भूख भी प्रभावित होती है। ज्यादा समय तक इस परिस्थिति में रहने से आपके शरीर में भूख की कमी हो सकती है। आपको नींद भी कम आ सकती है। हांलाकि कुछ परिस्थितियों में बहुत ही नींद आती है।

कैसे निकले इस परेशानी से

. आप सबसे पहला अपना एक पैटर्न तैयार कर लें। पैटर्न के अनुसार, आप धीरे-धीरे बोलने की आदत को कम करते जाएं। इस पैटर्न को स्ट्रिक्ली फोलो करें। . आप मेडिटेशन और योग के जरिए भी इस परिस्थिति से बाहर निकल सकते हैं। पांचों इंद्रियों में ध्यान लगाने से भी आप वर्तमान में वापिस आ सकते हैं। . सुबह उठकर लंबी और गहरी सांस लें। इससे भी आप नकरात्मक विचारों से छुटकारा पा सकते हैं।

. आप अपना ज्यादा से ज्यादा समय दोस्तों और परिवार वालों के साथ बिताएं। इससे भी आपके विचार सकरात्मक हो सकते हैं। आप चाहें तो मोटिवेशनल वीडियो भी देख सकते हैं।

. यदि आपको मानसिक बीमारी की समस्या है तो आप तुरंत एक्सपर्ट्स से संपर्क करें।

सूडोकु नवताल- 6415

★★★★☆ मध्यम

6	9			7

अब प्रदेश के रेंजर व वनरक्षक नहीं चलाएंगे बंदूकें

मालखाने में कर रहे जमा

भोपाल, । प्रदेश के रेंजर और वन रक्षक अब हथियार नहीं चलाएंगे। शासन ने इन्हें जो बंदूकें व रिवाल्वर दी हैं, उन्हें ये मंगलवार सुबह से शासकीय मालखानों में जमा करवा रहे हैं। अब तक हजारों की संख्या में रेंजर व वनरक्षक हथियार जमा कर चुके हैं। दरअसल, इन्हें वन विभाग ने हथियार तो दिए हैं, लेकिन चलाने की अनुमति नहीं दी है।

जब ये जंगल में वन माफिया से लड़ते हैं और आत्मरक्षा में हथियार चलाते हैं तो इनके खिलाफ कार्रवाई हो जाती है। हाल ही में विदिशा के लटेरी में वनकर्मियों ने लकड़ी चोरों को पकड़ने की कोशिश की थी। जवाब में लकड़ी माफिया संगठित हो गए और इन्होंने वनकर्मियों पर हमला कर दिया था। आत्मरक्षा में वनकर्मियों ने हवाई फायर किए थे, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मामला तूल पकड़ने पर शासन ने वनकर्मियों पर हत्या का केस दर्ज कर लिया। वनकर्मियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की गई। इस घटना के बाद से प्रदेशभर में वनकर्मी और अधिकारी नाराज हैं। इन्होंने विभिन्न संगठनों के बैनर तले शासन द्वारा दिए गए हथियार मालखाने में जमा कराने का निर्णय लिया था।

वन बल प्रमुख ने नहीं सुना तो खुद ही जमा कराने लगे हथियार

हथियार जमा करने से पहले वनकर्मी और अधिकारियों ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख को जानकारी दे दी थी। स्टेट फारेस्ट रेंज आफिसर्स एसोसिएशन मप्र के अध्यक्ष शिशुपाल अहिरवार व कार्यकारिणी की ओर से इस संदर्भ में 12 अगस्त को पत्र लिखा गया था। जिसमें वन बल प्रमुख को बताया था कि वन बल को दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 45 के तहत आज तक सशस्त्र बल घोषित नहीं किया है और न ही बंदूक व अन्य हथियार चलाने के संबंध में दंड प्रक्रिया सहिता 1973 की धारा 197 के तहत कोई नियम तय किए हैं। इन सभी कारणों के चलते दी गई बंदूकें शोपीस बनी हुई हैं। जब कभी इनका उपयोग करते हैं तो उपयोग करने वालों को अपराधी बना दिया जाता है। एसोसिएशन ने वन बल प्रमुख से मांग की थी कि बंदूकों को जमा कराने संबंधी दिषा-निर्देश जारी किए जाएं। हालांकि वन बल प्रमुख ने कोई निर्देश जारी नहीं किए थे। तब भी सामूहिक निर्णय के तहत वन रक्षकों व रेंजरों ने हथियार जमा कराने शुरू कर दिया है। मप्र वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ के भोपाल जिला अध्यक्ष रामयश मौर्य का कहना है कि शासन हमसे अपेक्षा करता है कि जंगल व वन्यप्राणी सुरक्षित रहे। इसी काम में वनकर्मी और अधिकारी लगे हुए हैं लेकिन माफिया हथियारों से लैस होते हैं और वनकर्मी खाली होते हैं। जिनके पास हथियार होते हैं, वे इनका इस्तेमाल नहीं कर सकते। यदि आत्मरक्षा व जंगल की सुरक्षा के लिए हथियार का उपयोग कर लिया तो नौकरी से हाथ धोने के साथ-साथ अपराधिक प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। इससे अच्छा है कि हथियारों को मालखाने में जमा कर दें।

प्रदेश में बच्चों को 10 और 16 की उम्र में भी लगेगा डिप्थीरिया का टीका

अभियान शुरू

भोपाल यशभारत। प्रदेश में 10 और 16 साल की उम्र वालों को टिटनेस और डिप्थीरिया का टीका लगाने की फिर से शुरुआत 16 अगस्त (मंगलवार) से हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी ने राजधानी के टीटी नगर मं स्थित कमला नेहरू स्कूल से इसका शुभारंभ किया। 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में 36 लाख लोगों को टीका लगाया जाएगा। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि टीका से नहीं बीमारी से डरें। उन्होंने कहा कि अन्य बीमारियों की तरह डिप्थीरिया का भी प्रदेश से उन्मूलन होगा।टिटनेस और डिप्थीरिया (टीडी) टीका राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में 2019 में शामिल किया गया था। टीका लगाने की शुरुआत भी हो चुकी थी, लेकिन मार्च 2020 में कोरोना के आने के बाद टीकाकरण रोक दिया गया था। राज्य टीकाकरण अधिकारी डा. संतोष शुक्ला ने बताया कि पहले डीपीटी के टीका में डिप्थीरिया व टिटनेस भी शामिल रहता था। जन्म के डेढ़, ढाई और साढ़े तीन माह के बाद 16 से 24 महीने में डीपीटी लगाया जा रहा था। इसके बाद 5 साल की उम्र में इसका बूस्टर लगाया जाता है। अब डीपीटी की जगह पेंटावैलेंट लगाया जा रहा है। इसमें डीपीटी के अलावा हेपेटाइटिस बी व हिब शामिल है।इसके बाद 10 और 16 साल की उम्र में टिटनेस का टीका लगाया जाता है। अब 10 और 16 की उम्र में टिटनेस के टीका के साथ डिप्थीरिया का टीका भी लगाया जाएगा।

विस्टाडोम कोच में आनंददायक यात्रा की अनुभूति लें पर्यटक - मंत्री उषा ठाकुर

जनशताब्दी एक्सप्रेस में विस्टाडोम कोच का शुभारंभ

भोपाल, यशभारत। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री उषा ठाकुर और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से अत्याधुनिक विस्टाडोम का शुभारंभ किया। मंत्री द्वय ने हरी झंडी दिखाकर विस्टाडोम कोच लगी जनशताब्दी एक्सप्रेस (ट्रेन नं. 12061/12062) को रवाना किया। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की पहल पर भारतीय रेलवे ने मध्यप्रदेश में पर्यटकों को यात्रा का एक अनूठा अनुभव कराने के लिए विस्टाडोम कोच को सम्मिलित किया है। कोच शीशे की छत एवं कांच की बड़ी खिड़कियों से सुसज्जित है, जिससे पर्यटक अपनी सीट से पहाड़ों, घाटियों और घाटियों के लुभावने दृश्य देख पायेंगे। मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि विस्टाडोम कोच में पर्यटक सुखद, आरामदायक और आनंददायक यात्रा का अनुभव ले सकेंगे। पर्यटकों को सुरक्षित और आरामदायक पर्यटन उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन विभाग नित नए नवाचार करने के लिए प्रतिबद्ध है। यात्रा के दौरान पर्यटकों को प्रकृति के विहंगम दृश्य देखकर एक रोमांचक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि पर्यटन विभाग की सोच का परिणाम जमीन पर दिखता है। विस्टाडोम जैसे अत्याधुनिक और आरामदायक कोच से प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह इतना आकर्षक है कि मैं खुद इसमें यात्रा करना चाहूंगा। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहां कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर विस्टाडोम पर्यटन विभाग का नवाचार है। यह कोच प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ता है। भीमबेटका, सलकनपुर मंदिर, नर्मदा घाट, सतपुड़ा नेशनल पार्क, मड़ई, पचमढ़ी, भेड़ाघाट, मदन महल किला आदि महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल जाने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों को विस्टाडोम कोच को अपनी यात्रा में शामिल करना चाहिए। इस अवसर पर डीआरएम सौरभ बंदोपाध्याय, प्रबंध संचालक पर्यटन विकास निगम एस.विश्वनाथन और अपर प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड विवेक क्षोत्रिय सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से मंत्री द्वय ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

तन्खा ने सीएम शिवराज सिंह को लिखा पत्र

कारम बांध और ई-टेंडर घोटाले की सीबीआई-ईडी से जांच कराने का मांग

भोपाल ,यशभारत। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का एक पत्र लिखकर कारम बांध और ई-टेंडर घोटाले की सीबीआई-ईडी से जांच कराने का आग्रह किया है।

श्री तन्खा ने पत्र में लिखा है कि यह चिंताजनक है कि कारम नदी पर 304.44 करोड़ की लागत वाला बांध आखिरकार पहली बारिश क्यों नही संभाल पाया। इस बांध से क्षेत्र के 50 गांवों के किसानों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन क्षेत्रीय लोगों का काफी नुकसान कर दिया। श्री तन्खा ने लिखा कि प्रदेश जानता है कि विगत कुछ वर्षो के दौरान मध्यप्रदेश में ई-टेंडर में अनाधिकृत हस्तक्षेप के माध्यम से टेंडर में छेड़छाड़ की एक परंपरा रही है, इसके बारे में सर्वप्रथम जानकारी तब सामने आई जब भारत की एक विश्व स्तर की प्रसिद्ध कंपनी जो आधारभूत संरचना और निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी है जिसने पूर्व में भी शासन द्वारा जारी किए गए ई-टेंडर की प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। किंतु असफल रहने पर जब इसके कारणों की जांच कराई तो ई-टेंडर प्रक्रिया में छेड़छाड़ सामने के टैंडर में गड़बड़ी हुई है। एक ब्लैकलिस्टेड आई। श्री तन्खा ने लिखा है कि, कारम बांध भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा है। ब्लैक लिस्टेड कंपनी को बांध निर्माण का ठेका दिया गया। ब्लैक लिस्टेड कंपनी ने दूसरी ब्लैक लिस्टेड कंपनी से बांध का निर्माण कराया। सीएम हाउस के अधिकारी भी इस घोटाले में शामिल है। 2022 में विधानसभा में जल संसाधन मंत्री ने मुद्दा उठाया था। इसके बावजूद जिम्मेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। तंखा ने पत्र में लिखा है कि अप्रैल 2018 में प्रदेश में ई-टेंडर घोटाला सामने आया था। उस समय ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल में छेड़छाड़ कर 3 हजार करोड़ के टेंडर में गड़बड़ी की गई थी। इस बांध का ठेका भी इसी ई-टेंडर घोटाले से जुड़ा हुआ है। 2018 में कारम बांध निर्माण का कार्य एक ब्लैक लिस्टेड कंपनी एएनएस कंस्ट्रक्शन को दिया गया था, लेकिन उसने यह कार्य खुद नहीं किया, बल्कि उसने इसे एक और ग्वालियर की एक ब्लैकलिस्टेड कंपनी सारथी कंस्ट्रक्शन को पेटीकॉन्ट्रैक्ट में दे दिया। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री ने भी 10 मार्च 2022 को विधानसभा में स्वीकार किया था कि कारम डैम प्रोजेक्ट कम्पनी द्वारा किये गए कार्य में गुणवता के साथ कितना समझौता किया गया होगा। यह बांध की हालत बयां करती है। मुझे प्राप्त जानकारी के अनुसार कारण बांध निर्माण के टैंडर में मुख्यमंत्री कार्यालय के कुछ अधिकारी भी शामिल थे यह घोटाला अन्य परंपरागत घोटालों से अलग है. क्योंकि इसमें रिश्वत पहले तय की गयी उसके बाद बचे हुए पैसों से निर्माण कार्य करवाया गया। शायद इसी बन्दर बांट का ही परिणाम था कि स्थानीय लोगो द्वारा बाँध निर्माण कार्य में घोटाले की शिकायत को लगातार नजर अंदाज किया जाता रहा। उन्होंने लिखा कि शासन स्तर पर इस घोटाले की प्रारंभिक जांच लोक निर्माण विभाग के कार्यालय द्वारा कराई गयी और प्रथम दृष्टया टेंडरिन प्रक्रिया में छेड़छाड़ सामने आयी थी। इसके शिकायतकर्ता ने इसका स्क्रीनशॉट भी अधिकारियों को उपलब्ध कराया था, जिसमे निविदा प्रक्रिया में वर्षों से चले आ रहे गड़बड़ी के खेल से करोंडों के ठेके चुनिंदा अधिकारियो द्वारा अपने चहेतों को दिए जाने की बात सामने आयी थी कुछ चहेते चिन्हित भी किये गए थे जिनको अंततः ठेके दिए जाते थे। इन चहेतों का नाम उजागर करना भी कोई कठिन कार्य नहीं है।

यौन शोषण के आरोपों से घिरे डीपीसी बाथम का स्थानांतरण गुनगा में कर दिया गया

भोपाल यशभारत। जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) राजेश बाथम का स्थानांतरण कई माह के बाद गुनगा में शासकीय उमावि के प्राचार्य पर किया गया है। इधर जिला शिक्षा अधिकारी(डीईओ) नितिन सक्सेना को डीपीसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। बाथम को डीईओ कार्यालय से नवंबर 2020 में डीपीसी बनाया गया था। स्कूल शिक्षा विभाग ने डीपीसी के खिलाफ शिकायत के एक साल बाद डीपीसी के खिलाफ कार्यवाही की है। यह महिला करीब एक साल से न्याया की मांग करते हुए डीपीसी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की थी। बता दें, कि स्कूल शिक्षा विभाग के जिला शिक्षा केंद्र (डीपीसी) भोपाल में आरोपों से घिरे जिला परियोजना समन्वयक राजेश बाथम के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत करने वाली महिला को एक साल बाद भी न्याय नहीं मिल पाया है। इस मामले में अब तक डीपीसी की समिति से लेकर जेडी द्वारा बनाई गई समिति में महिला को न्याय नहीं मिल पाया है। वहीं, विभागीय जांच में मामले की लीपापोती से परेशान होकर महिला ने कोहेफिजा थाने में पुलिस को लिखित आवेदन दे दिया है। पुलिस ने भी महिला के बयान दर्ज किए हैं, लेकिन एफआइआर दर्ज नहीं की है। संभागीय संयुक्त संचालक भोपाल द्वारा बनाई गई चार सदस्यीय कमेटी ने अपनी रिपोर्ट राज्य शिक्षा केंद्र को सौंप दी थी। जिसमें कहा गया है कि महिला ने छेड़छाड़ के कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए है। आफिस के अन्य कर्मचारी डीपीसी के पक्ष में है। महिला द्वारा लगाए गए आरोप निराधार है। महिला द्वारा कमेटी को जांच में सहयोग भी नहीं किया गया है। वहीं, कमेटी कि रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए महिला का कहना है कि जब कमरे में सिर्फ दो लोग थे। मेरे साथ छेड़छाड़ हुई है। अब इसके साक्ष्य कैसे प्रस्तुत करूं?

यह था मामला

पीड़ित महिला 2017 से डीपीसी कार्यालय में कार्यरत थी। महिला का आरोप है कि बाथम द्वारा उससे अश्लील हरकतें की जाती थीं। उसे देर रात तक ऑफिस में रुकने को कहा जाता था।

मध्य प्रदेश में अभी दो दिन तक भारी वर्षा होने के आसार नहीं हैं

भोपाल यशभारत। भोपाल सहित प्रदेश के अधिकतर जिलों को तरबतर करने के बाद अवदाब का क्षेत्र वर्तमान में राजस्थान में कोटा के पास पहुंच गया है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी दो दिन तक भारी वर्षा होने के आसार नहीं हैं। हालांकि वातावरण में बड़े पैमाने में नमी बरकरार रहने के कारण रुक-रुककर बौछारें पड़ती रहेंगी। उधर मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रतलाम में 28, खरगोन में 20, गुना में 16, धार में 14, उज्जैन में आठ, शिवपुरी में पांच, भोपाल में 4.8, इदौर में 4.4, पचमढ़ी में दो, खडवा में दो, दमोह में दो, मलाजखंड में दो ग्वालियर में 1.3, जबलपुर में एक, सागर में एक, नौगांव में एक, छिंदवाड़ा में 0.8, बैतूल में 0.2 मिलीमीटर वर्षा हुई। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक गुना पर बने अवदाब के क्षेत्र के कारण पिछले दो दिनों से रुक-रुककर तेज बौछारें पड़ रही थीं। मंगलवार को अवदाब का क्षेत्र आगे बढ़कर कोटा पहुंच गया है। मानसून ट्रफ भी अवदाब के क्षेत्र से होकर गुजर रहा है।

छत पर झंडा लगाने के दौरान हाईटेंशन लाइन पर गिरा पाइप

करंट से युवा डाक्टर की मौत

भोपाल यशभारत। राजधानी में स्वतंत्रता दिवस पर आजादी का जश्न मनाने के दौरान तिरंगा झंडा लगाने के दौरान हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक युवा डाक्टर भी शामिल है। वह अपने निजी अस्पताल की छत पर झंडा लगा रहा था, तभी झंडे में लगा लोहे का पाइप फिसलकर हाईटेंशन करंट वाली बिजली की लाइन पर गिर गया था। हादसा अयोध्यानगर क्षेत्र में हुआ। उधर, स्टेशन बजरिया क्षेत्र में एक डेयरी संचालक झंडा लगाने के दौरान तीन मंजिल मकान से नीचे सड़क पर आ गिरा। इससे डेयरी संचालक की मौत हो गई। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। अयोध्या नगर थाना पुलिस के मुताबिक 33 वर्षीय अंशिल राजन पुत्र डाक्टर राजन जोन पेशे से डाक्टर था। पहले वह पुणे में किसी अस्पताल में नौकरी करता था। वर्तमान में उसने अयोध्या नगर स्थित न्यू शारदा नगर में अपने दोस्त राम प्रजापति के साथ मिलकर स्वयं का अस्पताल खोला था। उसके डाक्टर पिता ओल्ड मिनाल रेसीडेंसी में परिवार के साथ रहते हैं, जबकि अंशिल पत्नी दीपाली शर्मा और चार साल के बेटे के साथ अस्पताल की दूसरी मंजिल पर रहता था।सोमवार को सुबह से अस्पताल में आजादी के जश्न का माहौल था। सभी अस्पताल की साज-सज्जा में लगे थे। इस बीच सुबह साढ़े छह बजे अंशिल छत पर तिरंगा झंडा लगाने के लिए छत पर पहुंचा। उसने 20 फीट के लोहे के पाइप में तिरंगा झंडा लगाया। इसके बाद वह पाइप को छत की मुंडेर पर बांधने की कोशिश कर रहा था।

जश्न का माहौल गम में बदला

फिर गिरी हमीदिया के नए भवन की फाल्स सीलिंग

मंत्री विश्वास सारंग ने लगाई निर्माण एजेंसी को फटकार

भोपाल यशभारत। हमीदिया का नया अस्पताल भवन अभी ठीक से शुरू भी नहीं हुआ है कि निर्माण कार्यों की पोल खुलने लगी है। महीने भर के भीतर दूसरी बार नए भवन में फाल्स सीलिंग गिरने की घटना हुई है। सोमवार को ब्लाक-2 की पहली मंजिल पर बने थैलेसीमिया वार्ड की फाल्स सीलिंग गिर गई। इस वार्ड में बच्चों को खून च?ाने के लिए भर्ती किया जाता है, रक्षाबंधन का त्योहार और इसके बाद स्वतंत्रता दिवस प?ने की वजह से कोई बच्चा भर्ती नहीं था। इसके पहले निर्माणाधीन ब्लाक-ए में फाल्स सीलिंग गिरी थी। इस घटना के बाद मंगलवार दोपहर को चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश?वास सारंग हमीदिया अस्पताल औचक निरीक्षण करने पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी पीआइयू के अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होने कहा कि हमीदिया के दोनों नवीन भवनों का थर्ड पार्टी ऑडिट कराया जाएगा। इसके बाद अगर निर्माण करने वाली कंपनी की ओर से कोई खामी नजर आती हे तो उसके खिलाफ एफआइआर दर्ज कराएंगे।

हमीदिया अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह जब कर्मचारी इस वार्ड में पहुंचे तो फाल्स सीलिंग गिरी हुई थी। करीब 20 फीट लंबे और चार फीट चौड़े हिस्से की सीलिंग गिरी थी। इसकी जानकारी अस्पाताल का निर्माण करने वाली एजेंसी पीआइयू को दी गई, लेकिन अवकाश होने की वजह से मरम्मत नहीं हो पाई। अधीक्षक कार्यालय के सामने बने ब्लाक-ए अभी निर्माण एजेंसी पीआइयू से चिकित्सा शिक्षा विभाग को हैंडओवर तक नहीं हुआ है, फिर भी यहां हल्की दरारें भी दिख रही हैं। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग 15 दिन पहले हमीदिया अस्पताल का दौरा करने पहुंचे थे, तब उन्होंने दोनों अस्पताल भवन में निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। उन्होंने यह तक कहा था कि पीआइयू का भुगतान रोक दिया जाएगा। उन्होंने निर्माण में गुणवत्ता और निर्माण कार्य में देरी को लेकर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से शिकायत की बात भी कही थी। निर्माणाधीन आइसीयू में काम ठीक नहीं होने, बिजली के तार लटके होने पर वह नाराज हुए थे। दिक्कत यह भी है कि इस तरह की घटनाओं के लिए कोई जिम्?मेदारी लेने का तैयार नहीं होता। हमीदिया अस्पताललल प्रबंधन पीआइयू पर पर पीआइयू अस्पताल प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराता है। वजह, अस्पताल के नए भवन का ब्लाक-2 हैंडओवर होने के बाद देखरेख की जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की भी हो गई है।

निचली बस्ती से लोगों को निकाला

भोपाल में 48 घंटे में हुई सात इंच वर्षा

भोपाल, । राजधानी में पिछले 48 घंटे में लगभग सात इंच वर्षा दर्ज की गई है। भारी वर्षा से भदभदा, कलियासोत और कोलार डैम लबालब हो चुके हैं। कलियासोत डैम के सभी 13 गेट सोमवार को खोले जाने की वजह से समरधा टोला, दामखेड़ा की निचली बस्तियों में बाढ़ के हालात बन गए। इससे यहां रहने वाले परिवारों को नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकालकर स्कूल में ठहराया है। निगमायुक्त केवीएस चौधरी ने बताया कि कलियासोत डैम से पानी छोड़े जाने के कारण दामखड़ा की निचली बस्ती में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई थी। इस वजह से यहां रहने वाले 20 परिवारों को शासकीय स्कूल में ठहराया है। वहीं समरधा टोला में नदी का पानी भर जाने के कारण यहां से 50 परिवारों को सुरक्षित बाहर निकालकर उन्हें भी शासकीय स्कूल में ठहराया है। यहां सभी के लिए भोजन सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। होशंगाबाद रोड स्थित सिग्नेचर एस-9 कालोनी में छह फीट से ज्यादा पानी भर गया था। यहां रहने वाले राजाराम का परिवार फंस गया था। उसके बच्चों को तेज बुखार आ रहा था। इससे स्थानीय लोगों ने नगर निगम को सूचना दी। मौके पर पहुंची टीम ने रेस्क्यू कर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर बैरसिया के ग्राम हिंगोनी का रास्ता बाढ़की वजह से बंद हो गया था।यहां रहने वाली 12 वर्षीय लक्ष्मी यादव की तबीयत बिगड़ रही थी। जिसे टीम ने बोट की मदद गांव से बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया है।

मोरटक्का ब्रिज से आवागमन बंद, बांधों से ज्यादा पानी छोड़ने से उफनी नर्मदा

नर्मदा घाटी के ऊपरी क्षेत्रों में हो रही बारिश और तवा तथा बरगी बांध के गेट खुलने से नर्मदा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए इंदिरा सागर बांध के 12 और ओंकारेश्वर बांध के 18 गेटों से छोड़े जा रहे पानी की मात्रा बढ़ा दी गई है। इससे ओंकारेश्वर में नर्मदा के सभी घाट जलमग्न हो गए हैं। वहीं मोरटक्का में नर्मदा नदी खतरा के निशान के नजदीक पहुंचने से प्रशासन ने इंदौर-इच्छापुरा राजमार्ग से वाहनों की आवाजाही रात साढ़े आठ बजे से रोक दी है। रात में जलस्तर का आकलन कर सुरक्षा के मद्देनजर बुधवार को छोटे वाहनों को प्रतिबंधित किया जा सकता है। जिला प्रशासन और बांध प्रबंधन हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। इस मानसून सत्र में पहली बार बाधों से 15 हजार क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है। बांध प्रबंधन द्वारा लगातार उद्घोषणा केंद्र के माध्यम से हाई अलर्ट की चेतावनी दी जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नर्मदा नदी मोरटक्का के आसपास निचली बस्ती में भी पानी घुसने की आशंका में उसे खाली करवाया गया है। थाना प्रभारी बलराम सिंह राठौर, तहसीलदार उदय मंडलोई, सीएमओ मोनिका पारधी सहित अमला लगातार बांध प्रबंधन से संपर्क कर स्थिति का जायजा ले रहा है।

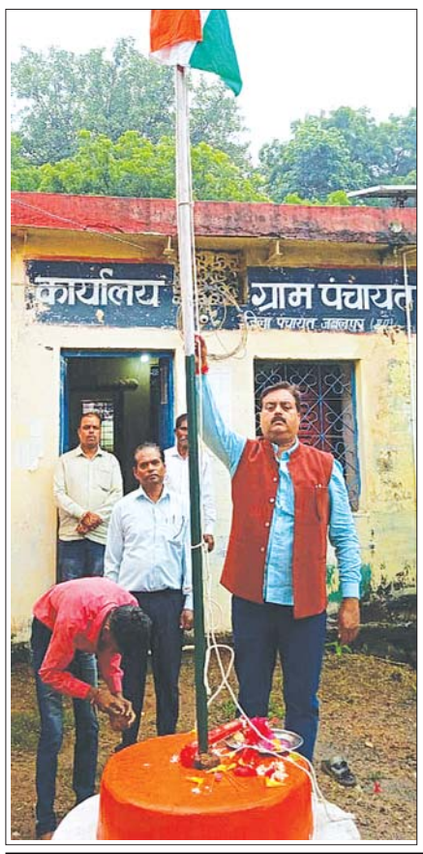

सिहोरा में रिमझिम फुहारों के बीच मनाया गया आजादी का जश्न

सिहोरा,यशभारत। आजादी के अमृत महोत्सव पर सोमवार को जगह जगह रिमझिम फुहारों के स्वतंत्रता की 76 वीं वर्षगांठ पर ध्वजारोहण करने के साथ तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। लगातार हो रही बारिश भी बच्चों का उत्साह कम न कर सकी और भीगते हुए हाथों में तिरंगा लेकर वे स्कूल पहुंचे । सिहोरा खितौला के साथ सभी ग्रामीण क्षेत्रों में शासकीय आशासकीय स्कूल भवनों के साथ नगर पालिका मे अध्यक्ष श्रीमती संध्या दिलीप दुबे,जनपद पंचायत में अध्यक्ष श्रीमती रश्मि मनेन्द्र अग्निहोत्री,तहसील कार्यालय में एसडीएम आशीष पांडे,सिविल अस्पताल में प्रभारी डाक्टर आर्यन तिवारी, एसडीओपी आफिस में एसडीओ भावनामरावी,उपपंजीयक कार्यालय में सविता पाटिल,वनपरिक्षेत्र कार्यालय में एसडीओ मुकेश पटेल ने ध्वजारोहण किया ।

नगर के अरुणाभ घोस स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह का मुख्य आयोजन रश्मि अग्निहोत्री जनपद पंचायत अध्यक्ष के मुख्यातिथ्य एंव संध्या दुबे के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया जहाँ जनपद अध्यक्ष ने ध्वाजारोहण किया सयुक्त परेड ध्वज

सलामी एंव मुख्यमंत्री के संदेश के वाचन के बाद अमर शहीद के परिजनों का सम्मान किया गया तदपश्चात शालेम इग्लिश मिडियम,शासकीय कन्या शाला,पंडित विष्णुदत्त सीएम राइज विद्यालय के बच्चों ने बारिश के बीच देशभक्ति से ओत प्रोत सास्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए अंत में विभिन्न क्षेत्रों में किसी न किसी रुप में अपना योगदान देने वाले बच्चों एंव बडों का प्रशस्ति पत्र भेटकर सम्मानित किया गया।संचालन शिक्षक अरविंद मिश्रा ने किया।इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधी,प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, स्कुलो के बच्चे बडी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन आनंद मोहन जैन के मुख्यातिथ्य,श्रीमती अंजना सराफ,विनोद सेठी,अनुपम सराफ,प्रशांत विश्वास,कृष्णा सरावगी, साधना साहू के विशिष्ट आतिथ्य तथा किशन जानवानी की अध्यक्षता में किया गया।ध्वाजारोहण के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।। यहां पर ध्वाजारोहण पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे,नगर मंडल अध्यक्ष अभिषेक परोहा द्वारा किया गया इस अवसर पर अनेक पार्टी पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एंव कार्यकर्ता उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानाध्यापक राकेश पाठक ने ध्वजारोहण किया बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर शिक्षक बसंत सिंह धुर्वे,स्नेहा सैनी,आशा श्रीवास्तव,आंगनवाडी कार्यकर्ता आशा द्विवेदी,मानसी द्विवेदी उपस्थित थी। स्वतंत्रता दिवस पर पारश नाथ शाखा सिहोरा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें समाज के अध्यक्ष मुलायम चंद्र जैन,परिषद की अध्यक्ष नीतू सिंघई ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर अरविंद, अरुण ,अतुल सिघई, सुधीरजैन, जवाहर ,नेमचद्र ,कमलेश ,प्रतीक, अमन जैन,प्रांतीय सह कोषाध्यक्ष निशा जैन,संगीता सिघई, आशा चौधरी,ममता जैन, प्रांतीय चेयरपर्सन मुक्ता सिघई, कोषाध्यक्ष माया जैन, संध्या ,ऊषा, प्रीती, अनीता ,विजया जैन मुख्य रुप से उपस्थित थी। संचालन सारिका जैन,आभार व्यक्त सचिव जयश्री जैन ने किया। ग्राम पंचायत भवन एवं एकीकृत माध्यमिक विद्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम अध्यक्ष सरपंच के के दुबे द्वारा किया गया।आयोजन में मुख्य अतिथि बीडीसी चतुर बाई साहू, विशिष्ट अतिथि प्रकाश दुबे ,बद्री प्रसाद दुबे,शिक्षक एन पी शर्मा, सचिव विनोद तिवारी,उपसरपंच जागेश्वर साहू एवं पंच गण, ग्राम के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

श्रीराम एनवायरमेंट (सेसा) संस्था को मिला सम्मान

जबलपुर यशभारत। शहर संस्कारधानी की अग्रणी संस्था श्रीराम एनवायरमेंट एंड सोशल सर्विस एसोसिएशन सेसा के द्वारा लॉकडाउन में किए गए कल्याणकारी और सेवा के कार्य के साथ लोगों को वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक कर मास्क वितरण सैनिटाइजर वितरण भोजन वितरण कर उन्हें वैक्सीनेशन सेंटर पर पहुंचा कर टीकाकरण करवाया गया साथ ही पौधारोपण ब्लड डोनेशन कैंप में सहायता की गई एवं सोशल मीडिया पर सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संस्था द्वारा जिंगल और पेज पर सारी जानकारियां समय समय पर उपलब्ध कराई जाती है इन सभी कार्यों के लिए आजादी के अमृत महोत्सव 15 अगस्त को पीडब्ल्यूडी मिनिस्टर एवं जबलपुर के प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव व जिला प्रशासन के द्वारा सम्मानित किया गया गौरतलब है कि संस्था के द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के

तहत बदनपुर दानव बाबा और शारदा कॉलोनी के पास बच्चियों ने हर घर जाकर तिरंगा वितरित किया गया साथ ही सभी को तिरंगे के महत्व के प्रति जागरूक कर बच्चों में मिठाइयां बिस्किट टॉफियां वितरित की गई और सभी को नशा मुक्त अभियान के तहत शपथ दिलाकर उनसे यह वचन लिया गया कि वे किसी भी नशीली वस्तु का सेवन नहीं करेंगे इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष अमित शुक्ला सक्रिय सदस्य अमीषी शुक्ला अजय गुप्ता एवं इस्मिता माथुर उपस्थित रही जिन्होंने झंडा वितरण और मिष्ठान वितरण में सहयोग किया साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की अध्यक्ष सिमरन सिंह शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही

स्वतंत्रता दिवस पर किया वृद्धों का सम्मान

गोटेगांव, यशभारत। नगर की समीपी ग्राम गोटेगांव खेडा में विगत दिवस आजादी के महापर्व एवं 75 वीं वर्षगांठ पर ग्राम गोटेगांव खेड़ा की नवनिर्वाचित सरपंच श्रीमती प्रियंका राहुल खेमरिया ने ध्वजारोहण किया ध्वजारोहण के पश्चात कार्यक्रम में शामिल हुए वृद्धों का आत्मीय सम्मान छाता एवं श्रीफल से किया गया जिसकी नगर में एवं आसपास के ग्रामों में सर्वत्र चर्चा हो रही है स्मरण हो कि नवनिर्वाचित सरपंच प्रियंका राहुल खेमरिया अपनी मिलनसारिता एवम मधुर व्यवहार के कारण सभी जगह अपनी स्वच्छ एवं बेहतर छवि बनाए हुए हैं।इसी के चलते आजादी का 75 वा अमृत महोत्सव गोटेगांव खेड़ा में बड़ी धूमधाम से मनाया गया नवनिर्वाचित गोटेगांव खेड़ा सरपंच प्रियंका राहुल सिमरिया में जगद्गुरु शंकराचार्य स्कूल शासकीय छात्रावास परिसर में एवं गोटेगांव खेड़ा प्राइमरी स्कूल में ध्वजारोहण किया *इस मौके पर बुजुर्गों का सम्मान छाता श्रीफल देकर किया गया* बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आजादी का अमृत महोत्सव गोटेगांव खेड़ा संपन्न हुआ रैली भी निकाली गई इस मौके पर गांव के सभी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

बेलखाडू, यशभारत। । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोमवार को आजादी का जश्न हर्षोल्लास के बीच मनाया गया। इस दौरान स्कूल के बच्चों द्वारा सुबह के समय प्रभात फेरी निकाली गई। इस दौरान उनके द्वारा लगाए जा रहे जयकारों से पूरा ग्राम गूंज रहा था। इसके बाद स्कूल परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया। बोरिया संकुल के ग्राम बिलखरवा शासकीय स्कूल में आजादी का अमृत महोत्सव बहुत ही सुन्दर एंव भव्य तरीके से मना गया। एकीकृत शासकीय स्कूल विलखरवा मैं प्राचार्य कृष्ण पाल सिंह राजपूत ने ध्वजारोहण किया जिसमें रजनी गुप्ता डी एस अहिरवार लायची कुमरे मेघा नीतू शुक्ला उमाशंकर तिवारी शिक्षक सहित ग्राम वासी उपस्थित रहे।

श्रीमती सुमनलता पटेल द्वारा ध्वजारोहण

गोटेगांव, यशभारत। स्वतंत्रता की 76 वीं वर्षगांठ पर, आजादी के अमृत महोत्सव केअंतर्गत नगर पालिका गोटेगांव में ध्वजारोहण एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी श्रीमती सुमनलता पटेल के मुख्य आतिथ्य में किया गया, इस अवसर पर गोटेगांव नगर के प्रबुद्ध नागरिक एवं समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए मुख्य अतिथि श्रीमती सुमनलता पटेल ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता की सेवा का कार्य ईश्वरीय आदेश मानकर पूरा करना चाहिए, उन्होंने कहा कि नगरपालिका के सभी प्रतिनिधि शहर के विकास एवं लोगों की सेवा के लिए निस्वार्थ भाव से मिलकर कार्य करें। श्रीमती पटेल ने समस्त जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान की जन हितैषी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग को दिलवाने में, आप सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है।नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पूनम जितेंद्र ठाकुर एवं उपाध्यक्ष श्रीमती श्रद्धा पंकज चौकसे ने समस्त पार्षदों की ओर से ,अपने सेवा संकल्प की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग एवं मार्गदर्शन में गोटेगांव शहर को विकसित एवं सुंदर बनाने में हम सभी मिलकर कार्य करेंगे, उन्होंने कहा कि जनता ने जिस विश्वास पर इस परिषद का निर्वाचन किया है वह भरोसा बनाए रखने में हम सभी प्रयासरत रहेंगे।

सहजपुर में तिरंगा यात्रा निकाली

सहजपुर, यशभारत। 16/8/22 को हर घर तिरंगा यात्रा अंधमूक बाईपास से भेड़ाघाट मंडल, बरगी मंडल, चरगवां मंडल,शहपुरा मंडल से होते हुए बेलखेड़ा तक निकाली गई द्य यात्रा का समापन बेलखेड़ा में हुआ,यात्रा का जगह-जगह पर जोरदार स्वागत किया गया,यात्रा में लोकप्रिय सांसद श्री राकेश सिंह जी, जिला अध्यक्ष श्री रानू तिवारी जी,युवा मोर्चा अध्यक्ष श्रीराजमणि सिंह जी,पूर्व विधायक श्रीमती प्रतिभा सिंह जी ,यात्रा के प्रभारी बरगी विधानसभा श्री राकेश पटेल जी,नीरज सिंह, अरविंद पटेल,राजकुमार पटेल, वीरू महाराज, अजय श्रीवास्तव ,रंजीत सिंह, लवली विश्वकर्मा, राजा सिंह तोमर, स्वप्निल सिंह, विकास कुशवाहा, संजय पटेल एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने यात्रा को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया, यात्रा प्रभारी श्री राकेश पटेल जी ने समस्त कार्यकर्ता बंधुओं का आभार व्यक्त कियाद्य।

विधायक सुनीता पटेल का अभिनव प्रयास

गाडरवारा(यश भारत)। विगत दिनो आजादी के अमृत महोत्सव स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिव्यांग जनों को क्षेत्रीय विधायक श्रीमती सुनीता पटेल ने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बाबूलाल कौरव,श्रीमति नीता महोविया, राजेश गुर्जर, पं. कमलेश गिरधौनीया, रामदर्शन श्रीवास को वरिष्ठ जनों, कार्यकर्ताओं की उपस्तिथि में स्कूटर प्रदान की ।

ध्वजारोहण होते ही रेल परिसर में गूंजे देशभक्ति के तराने

जबलपुर यश भारत। पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबन्धक सुधीर कुमार गुप्ता ने रेलवे स्टेडियम में ध्वजारोहण किया। महाप्रबंधक सुधीर कुमार गुप्ता ने सन्देश वाचन किया। संदेश वाचन के बाद उमंग सामूदायिक भवन में स्कूली बच्चों ने एक से बढ़कर एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। रेलवे स्टेडियम में रेल सुरक्षा बल जबलपुर द्वारा शक्ति का प्रदर्शन करते हुए एक साइलेंट मॉक ड्रिल की प्रस्तुति देकर सभी लोंगों का मनमोह लिया। इस राष्ट्रीय पर्व पर पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। रेलवे स्टेडियम में इस अवसर पर समस्त प्रमुख विभागाध्यक्ष, मण्डल रेल प्रबन्धक जबलपुर संजय विश्वास, महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती संध्या गुप्ता तथा अन्य सदस्य महिलाएं, मुख्यालय एवं मण्डल के वरिष्ठ रेल अधिकारिगण एवं बड़ी संख्या में रेलकर्मी, स्काउट एवं गाइड, स्कूली बच्चे, सेंट जॉन एम्बुलेंस, सांस्कृतिक आकादमी के कलाकार सहित रेलकर्मियों के परिजन उपस्थित थे। ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अंतर्गत तीनों मंडलों में भी मण्डल रेल प्रबन्धकों द्वारा ध्वजारोहण विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जागृति सेंटर में महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती संध्या गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया गया जागृति सेंटर के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा संगीतमय योगा

75 वर्ष की आयु पूरी करने वाले 8 भूतपूर्व रेलकर्मियों को दिए गोल्ड मैडल

कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस गौरवशाली राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर 75 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सेवा निवृत्त 8 भूतपूर्व रेलकर्मियों को महाप्रबन्धक जी ने गोल्ड मैडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया, जिनमें मुख्य कार्यालय अधीक्षक श्री एन.राजकुमार नायडू, मुख्य कार्यालय अधीक्षक ओम प्रकाश, मुख्य टिकिट निरीक्षक नरबदेश्वर पाण्डेय, टेक्निशियन किशन लाल, कल्याण निरीक्षक एम. के. गुरु, मुख्य कार्यालय अधीक्षक एस. एन. श्रीवास्तव, मुख्य टिकिट निरीक्षक नरेश चंद्र तिवारी, गार्ड दिलीप प्रसाद शर्मा शामिल थे। इसके अलावा पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय भवन में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस. के. अलबेला द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं राष्ट्रीय गान हुआ, जिसमें कार्यालय के रेल अधिकारियों एवं रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। पश्चिम मध्य रेल में ''आजादी की रेलगाड़ी और स्टेशन'' आईकॉनिक वीक मनाया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, देशभक्ति गीत, नाटक मंचन, ईवेंट गैलरी प्रदर्शनी, कवि सम्मेलन, नुक्कड़नाटक एवं मोटर साइकिल रैलियों का आयोजन किया गया। मीडिया की सराहना करते हुए कहा कि मैं प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों को उनके सकारात्मक सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ ।

18 माह की बच्ची ने फहराया तिरंगा झंडा

जबलपुर, यशभारत। 18 माह की बच्ची वेदश्री ने भारत मां के तिरंगे को बढ़ी सादगी के साथ फहराया मदन महल रानीपुर कालीमठ आमनपुर निवासी राकेश उपाध्याय की नातिन मृदुल, खुशबू उपाध्यय की पुत्री के ध्वजा रोहण की वीडियो को भारी सराहा गया है।

आज लगेगा विस्टाडोम कोच

जबलपुर यश भारत। रेल प्रशासन द्वारा यात्री सुविधाओं में विस्तार करते हुए गाड़ी संख्या 12061/12062 रानी कमलापति-जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस मे वातानुकूलित चेयरकार विस्टाडोम कोच 16 अगस्त से शुरू हो हुई गाड़ी संख्या 12061 रानी कमलापति-जबलपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस में अपने प्रारम्भिक स्टेशन रानी कमलापति स्टेशन से जबलपुर-रानी कमलापति जनशताब्दी एक्सप्रेस में अपने प्रारम्भिक स्टेशन जबलपुर स्टेशन से आज 17 अगस्त 2022 से वातानुकूलित चेयरकार विस्टाडोम कोच लगाया जा रहा है। रेल यात्रियों को वातानुकूलित चेयरकार विस्टाडोम कोच की अतिरिक्त कुल 44 सीट की सुविधा मिलेगी।

विस्टाडोम कोच की विशेषताएं विस्टाडोम कोच ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के सफर को आरामदेह और यादगार बनाएगा। इनके डिब्बों में चौड़ी खिड़कियां हैं और छत कांच की पारदर्शी हैं जो इसका खास आकर्षण है। प्रकृति प्रेमी इस कोच में यात्रा के दौरान प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे विस्टाडोम कोच रेलवे की नई पहल है जो पर्यटन स्थलों की यात्रा को बेहद यादगार बनाने के मकसद से हुई शुरुआत है। इसकी सीटें आरामदायक हैं, साथ ही सीटों के बीच पैर फैलाने के लिए काफी जगह है। ऐसे में बच्चों से लेकर बड़ी उम्र के लोग आराम से सफर कर सकते हैं। सीटों की सबसे बड़ी खासियत है कि इन्हें चारों ओर घुमाया जा सकता हैं। पर्यटकों को प्रकृति के विहंगम दृश्य देखकर एक रोमांचक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। यह स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके अतिरिक्त विस्टाडोम कोच में यात्रियों के लिए मल्टी-टियर स्टील लगेज सेल्फ, स्नैक टेबल, पर्यटकों के अनुकूल लाउंज, माइक्रोवेव ओवन, कॉफी मेकर और रेफ्रिजरेटर के साथ एक मिनी पेंट्री कार की सुविधा उपलब्ध है। इस कोच में यात्रियों के लिए मनोरंजन की सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी

सांस्कृतिक दल, आरपीएफ, भारत स्काउट गाइड, सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड आदि को प्रोत्साहन स्वरूप इनाम की घोषणा की

जबलपुर यश भारत। आजादी के अमृत महोत्सव पर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित समारोह में डीआरएम संजय विश्वास ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने जबलपुर रेल मंडल के विकास के संबंध में विभिन्न जानकारियां दीं। समारोह में महिला कल्याण संगठन जबलपुर मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अशोका विश्वास, एडीआरएम दीपक कुमार गुप्ता एवं अमितोज बल्लभ सहित मंडल के शाखा अधिकारी सर्वश्री सुबोध विश्वकर्मा, विश्व रंजन, जेपी सिंह, अभिराम खरे, डॉ. मधुर वर्मा, विराट गुप्ता, संजय मनोरिया, मनीष पटेल, अरूण त्रिपाठी सहित अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्यां में उपस्थित थे। इस मौके पर सांस्कृतिक दल द्वारा देश भक्ति पूर्ण गीत एवं नाटक की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के समापन पर डीआरएम श्री विश्वास ने सांस्कृतिक दल, आरपीएफ, भारत स्काउट गाइड, सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड आदि को प्रोत्साहन स्वरूप इनाम की घोषणा की। इसी तरह जबलपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म क्र.1 के बाहर स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विश्व रंजन द्वारा किया गया।इस अवसर पर डीसीएम देवेश सोनी, स्टेशन निदेशक मृत्युंजय कुमार सहायक वाणिज्य प्रबंधक पंकज कुमार दुबे सहित टिकिट निरीक्षक, बुकिंग एवं आरक्षण स्टॉफ आदि भी बड़ी संख्या में उपस्थित था मालगोदाम चौक स्थित डब्ल्यूएसईसी रेलवे हाईस्कूल में ध्वजारोहण समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।स्कूल में डीआरएम संजय विश्वास ने ध्वजारोहण किया, समारोह में महिला कल्याण संगठन जबलपुरमंडल की अध्यक्ष श्रीमती अशोका विश्वास, एडीआरएम दीपक कुमार गुप?ता एवं श्री अमितोज बल्लभ सहित मंडलके शाखा अधिकारी सर्वश्री सुबोध विश्वकर्मा, विश्व रंजन, अभिराम खरेआदि भी उपस्थित थे।

बरसते पानी में देश की आज़ादी का जश्न मनाया

जबलपुर, यशभारत। एक पहल जनसेवा समिति द्वारा आज़ादी का 75वाँ अमृत महोत्सव मनाया गया जिसमें समिति के सभी सदस्यों ने बड़े ही उत्साह के साथ बरसते पानी में देश की आज़ादी का जश्न मनाया कार्यक्रम में अध्यक्ष श्वेता गोंटिया , अनामिका पाण्डे ,रिशिता रावत , नेहा पलिया,शिवा पाठक ,नीति दीक्षित ,भारती त्रिवेदी ,प्रियंका शर्मा ,रत्ना राजपूत रानु अग्रवाल साधना गुप्ता प्रतीक्षा जैन आदि सदस्यों की उपस्तिथि रही ।

क्षेत्रीय भविष्य निधि कार्यालय में क्षेत्रीय आयुक्त ने किया ध्वजारोहण

जबलपुर यशभारत। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर में आयोजित 76 वें स्वातंत्रय पर्व की अमृत वर्षगांठ समारोह में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-।, राकेश सहरावत ने ध्वजारोहण किया। श्री राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-। ने इस अवसर पर संबोधित करते हुये कहा कि सम्पूर्ण भारत वर्ष आजादी का अमृतमहोत्सव मना रहा है ऐसे में

हमारा यह कर्तव्य है कि हम यह संकल्प लें कि भविष्य निधि सदस्यों को सहज एवं त्वरित सेवा प्रदान करेंगे और उन्हें देय समस्त सेवाओं का लाभ जल्द से जल्द प्रदान किया जाना सुनिश्चित करेंगे। राकेश सहरावत ने इस बात पर भी हर्ष व्यक्त किया कि पिछले एक वर्ष में क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर ने भविष्य निधि सदस्यों हेतु समस्त सेवाओं के तीव्र निष्पादन में प्रशंसनीय प्रगति की है।

मननमति शाखा का आयोजन

जबलपुर, यशभारत। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद में मननमति शाखा द्वारा आजादी के 75वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव बड़े उल्लास पूर्वक मनाया गया । सर्वप्रथम मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर माल्यार्पण किया एवं राष्ट्रगान गाया । राष्ट्रीय गीतों के बीच नृत्य किए । कार्यक्रम की अध्यक्षता ,श्रीमती दीपशिखा जैन उपाध्यक्ष स्नेह लता जैन सचिव शिल्पी जैन कोषाध्यक्ष मीना जैन सांस्कृतिक मंत्री आरती जैन प्रीति जैन धार्मिक मंत्री प्रीति जैन रीना जैन सुधा जैन लाली जैन सविता जैन प्रगति जैन रोशनी जैन ज्योति जैन ने घर-घर झंडा अभियान के तहत अपने अपने घरों में झंडारोहण किया एवं तिरंगे कलर के **पोशाक परिधान को पहनकर स्वतंत्रता दिवस मनाया दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर मेन ने फहराया तिरंगा**

आज आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जबलपुरज्मेनज्के पदाधिकारियों व दम्पत्ति सदस्यों द्वारा जबलपुर शहर के मध्य स्थित डी.एन.जैन हायर सेकेन्डरी स्कूल में सर्वप्रथम सुबह 8 बजे ध्वजारोहण में भाग लिया गया तत्पश्चात समस्त स्कूल स्टा? एवं स्कूल के छात्रों के साथ एक विशाल तिरंगा यात्रा में अपनी गौरवपूर्ण भागीदारी की। मुख्य अतिथि डी.एन.जैन बोर्डिंग हाऊस सोसाइटी के अध्यक्ष सत्येन्द्र जैन (जुग्गू चाचाजी), कार्यक्रम के अध्यक्ष सोसाइटी के सचिव एवं ग्रुप के सांस्कृतिक सचिव संजय-सारिका सिंघई एवं विशिष्ट अतिथि ग्रुप के अध्यक्ष प्रशांत-प्रियांशी रहे।

वाहन निर्माणी में हर्षोल्लास से मना स्वतंत्रता दिवस

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारी पुरुस्कृत

जबलपुर यशभारत। वाहन निर्माणी जबलपुर में अतुल कुमार बापट मुख्य महाप्रबंधक के मुख्य आतिथ्य में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिला कल्याण समिति व्हीएफजे की अध्यक्ष श्रीमती माधवी बापट विशिष्ट अतिथि रहीं। स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य महाप्रबंधक ने ध्वजारोहण किया। इस मौके पर रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 70 कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। मुहम्मद सरफराज नवाज उप महाप्रबंधक को रक्षा उत्पादन में उत्कृष्ट योगदान के लिए 10,000/- रूपए संतोष ताम्रकार कार्यप्रबंधक को 5000/- रूपए का कैश अवार्ड प्रदान किया गया। सांस्कृतिक कला परिषद, व्हीएफजे द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी । कार्यक्रम में महाप्रबंधक प्रेमचंद, ए.के.राय एवं डी.एन.वर्मा संयुक्त महाप्रबंधक प्रशासन मनोज कुमार मौर्य वरिष्ठ सुरक्षाधिकारी कर्नल रूपिन्दर सिंह के साथ आदि मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन शैलेन्द्र सिंह, कनिष्ठ कार्यप्रबंधक प्रशासन एवं संचालन मोहन कुमार साहू ने किया।

जीआरपी कार्यालय में एसआरपी ने किया ध्वजारोहण

जबलपुर यश भारत। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय रेल जबलपुर में पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर विनायक वर्मा ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रतिमा पटेल, उप पुलिस अधीक्षक आरके गौतम, सूबेदार सुनीता पटेल उपस्थित रहे। परेड कमांडर उपनिरीक्षक आकांक्षा सिंह ने अच्छी परेड का प्रदर्शन कर ,राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। कार्यालय के सभी अधिकारी ,कर्मचारी उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के बाद पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारी कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं और प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी के पास जाकर उनसे हाथ मिलाया। उपस्थित दर्शकों सहित सभी को मिष्ठान वितरित किया गया।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने मनाया 75वां अमृत महोत्सव

जबलपुर, यशभारत। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत कार्यालय राइट टाउन में स्वतंत्रता दिवस का 75वा अमृत उत्सव झन्डा वन्दन कर मनाया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाकौशल प्रांत के प्रान्त संगठन मंत्री धर्मेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में प्रान्त अध्यक्ष परविन्दर विन्द्रा, प्रान्त महिला जागरण प्रमुख श्रीमती सरला केवट, विधिप्रमुख एड. आनन्द नेमा, पर्यावरण प्रमुख भुवनेश्वरी खुरासिया, प्रान्त प्रचार प्रमुख संदीप सिंह, कोषा श्रीमती मंजु वैश्य, सह कोषा डॉ. चेतन, प्रान्त कार्यकारिणी डॉ. आर. एन. खुरासिया ।महानगर सचिव संजय मिश्रा, महानगर सह सचिव राकेश केवट, उपाध यक्ष अवध नारायण तिवारी, इन्जी. मुकेश ठाकुर, श्याम पटेल, शोभना ठाकुर, शालिनी निखार, धैर्य सिंह, किशोर बैन, अंकित मिश्रा, श्रीमति सरला केवट द्वारा ग्राहक गीत व मंजु वैश्य द्वारा देश भक्ति गीत गाया गया । प्रान्त संगठन मंत्री धर्मेन्द्र सिंह ने देश में कितने शाहिदों के बलिदान और यातनाओं के बाद आजाद हुआ, उस पर प्रकाश डाला । आभार महानगर सचिव संजय मिश्रा द्वारा किया गया।

सौरव गांगुली का टीम इंडिया को एशिया कप के लिए संदेश

बोले-इसे सिर्फ भारत बनाम पाकिस्तान मत देखो

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे में वनडे सीरीज के अपने छोटे से असाइनमेंट के बाद भारतीय टीम एशिया कप 2022 के लिए यूएई जाएगी। चार साल के अंतराल के बाद के बाद एशियाई वर्चस्व की लड़ाई होने वाली है। 27 अगस्त से एशिया कप की शुरुआत होगी, लेकिन रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम 28 अगस्त को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में अपने कट्टर विरोधी टीम पाकिस्तान से भिड़ेगी।एशिया कप 2022 में भारत बनाम पाकिस्तान ब्लॉकबस्टर मैच से पहले बीसीसीआई के अध्यक्ष और भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने अपनी बात रखी। गांगुली ने कहा है कि उनके लिए एशिया कप भारत और पाकिस्तान की लड़ाई नहीं, बल्कि ट्रॉफी जीतना है। भारत और पाकिस्तान पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में एक-दूसरे से भिड़े थे, जहां भारत को 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। एशिया कप को लेकर इंडिया टुडे से बात करते हुए सौरव गांगुली ने कहा, च्मैं इसे एशिया कप के तौर पर देख रहा हूं। मैं भारत बनाम पाकिस्तान के रूप में कोई टूर्नामेंट नहीं देखता। जब मैं अपने खेल के दिनों में हुआ करता था, तो भारत बनाम पाकिस्तान मेरे लिए सिर्फ एक मैच होता था। मैं हमेशा टूर्नामेंट जीतना चाहता था। भारत एक अच्छी टीम है और उसने हाल के दिनों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और उम्मीद है कि वह टीम एशिया कप में भी अच्छा प्रदर्शन करेगी। भारत एशिया कप सात बार जीत चुका है। अब तक खेले गए 14 संस्करणों में से भारत ने 13 सीजनों में हिस्सा लिया है और सात बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

भारत से बैन हटा सकता है फीफा COA ने मान ली हैं सारी शर्तें !

नई दिल्ली एजेंसी। फीफा के बैन लगाए जाने के कुछ घंटे बाद ही प्रशासकों की समिति (सीओए) विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था की शर्तों के अनुसार अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के चुनाव कराने पर सहमत हो गई है।

फीफा ने मंगलवार को भारत को करारा झटका देते हुए तीसरे पक्ष द्वारा गैर जरूरी दखल का हवाला देकर एआईएफएफ को निलंबित कर दिया और उससे 11 से 30 अक्टूबर के बीच होने वाले अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप के मेजबानी अधिकार छीन लिए। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंध थोड़े समय के लिए ही हो सकता है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट से नियुक्त प्रशासकों की समिति चुनावों और नए संविधान को लेकर फीफा की लगभग सभी शर्तों को मानने के लिए तैयार है। इसलिए अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप का आयोजन अभी भारत में हो सकता है। एक शीर्ष सूत्र ने पीटीआई से कहा, अधिकारियों को लग रहा है कि प्रतिबंध थोड़े समय के लिए ही रहेगा और चुनाव 28 अगस्त को नहीं लेकिन 15 सितंबर (फीफा की समय सीमा) से पहले कराए जाएंगे। सीओए फीफा की शर्तों के अनुसार चुनाव कराने पर सहमत है। उन्होंने कहा ऐसी स्थिति में फीफा अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप की मेजबानी भी बचाई जा सकती है। पता चला है कि सीओए को अभी फीफा के प्रतिबंध की उम्मीद नहीं थी क्योंकि वह विश्व संस्था की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ने के लिए तैयार थे। भारतीय फुटबॉल समुदाय को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई के फैसले का इंतजार है। सूत्रों ने बताया कि सीओए, फीफा और खेल मंत्रालय राज्य संघों के प्रतिनिधियों से बने निर्वाचक मंडल के साथ एआईएफएफ के चुनाव कराने पर सहमत हैं। अब इन चुनावों के निर्वाचक मंडल में 36 प्रख्यात खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया जाएगा। इससे पहले निर्वाचन अधिकारी ने जिन 36 खिलाड़ियों की लिस्ट जारी की थी उनमें शब्बीर अली, मनोरंजन भट्टाचार्य, प्रशांत बनर्जी, आईएम विजयन और बाईचुंग भूटिया भी शामिल हैं।पांच प्रतिष्ठित खिलाड़ी (तीन पुरुष और दो महिला) हालांकि प्रस्तावित 22 सदस्यीय कार्यकारी समिति के सदस्य बन सकते हैं और उन्हें मतदान का अधिकार होगा।

वनडे सीरीज से पहले भारत के युवा खिलाड़ियों ने जमकर बहाया पसीना

गिल को समझाते दिखे ईशान किशन

हरारे, एजेंसी। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी जमकर अभ्यास कर रहे हैं। मंगलवार के दिन भी टीम इंडिया ने नेट्स में जमकर पसीना बहाया। बीसीसीआई ने भारतीय खिलाड़ियों के अभ्यास की तस्वीरें शेयर कर बताया है कि टीम इंडिया वनडे सीरीज के लिए तैयार हो रही है और खिलाड़ी लय में लौट रहे हैं। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन वनडे मैच की सीरीज 18 से 22 अगस्त के बीच खेली जाएगी। सीरीज के तीनों मैच हरारे के मैदान पर होंगे।

शिखर धवन ने भी वनडे सीरीज से पहले जमकर मेहनत की और खुद को तैयार किया। धवन अब भारत की टेस्ट और टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं। वो सिर्फ वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। इससे पहले उन्होंने वेस्टइंडीज में टीम इंडिया की कप्तानी की थी और इस सीरीज में भी पहले उन्हें कप्तान बनाया गया था, लेकिन बाद में लोकेश राहुल को कप्तानी दे दी गई। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने भी जमकर अभ्यास किया और नेट्स में बड़े शॉट खेले। संजू ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में काफी प्रभावित किया था और वो आईपीएल 2022 के बाद से भारतीय टीम का हिस्सा बने रहे हैं। इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर सैमसन टीम में अपनी जगह बेहतर कर सकते हैं। अभ्यास सत्र के दौरान शिखर धवन और दीपक हुड्डा जैसे खिलाड़ी मस्ती करते हुए भी नजर आए। दीपक हुड्डा ने भी पिछले कुछ महीनों में शानदार खेल दिखाया है और भारतीय टीम में मजबूती के साथ अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। अभ्यास सत्र के दौरान ईशान किशन ने भी जमकर अभ्यास किया। उन्होंने बड़े शॉट खेले। किशन के लिए यह सीरीज बेहद अहम है। वो साल की शुरुआत में श्रीलंका और वेस्टइंडीज के खिलाफ कुछ खास नहीं कर पाए थे। इसके बाद सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी में उन्हें बेंच में बैठना पड़ा है। इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर वो अपना दावा मजबूत कर सकते हैं। अक्षर पटेल और शिखर धवन अभ्यास सत्र को दौरान साथ नजर आए। दोनों की दोस्ती काफी अच्छी है और ये दोनों आईपीएल में लंबे समय तक दिल्ली के लिए साथ खेले। हालांकि, अब शिखर धवन पंजाब की टीम में आ चुके हैं, जो अक्षर की पुरानी टीम है। अभ्यास सत्र के दौरान कोट लक्ष्मण ने खिलाड़ियों को समझाइश दी। वो दूसरी बार भारतीय टीम के कोच के रूप में विदेशी दौरे पर गए हैं। इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैचों की सीरीज के लिए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई थी। लोकेश राहुल ने भी अभ्यास सत्र में जमकर मेहनत की। उनके लिए यह सीरीज बेहद अहम है। उन्होंने आईपीएल के बाद से कोई मैच नहीं खेला है और सर्जरी के बाद लंबे समय तक मैदान से दूर रहे थे। वो दो महीने बाद क्रिकेट के मैदान पर वापसी कर रहे हैं और एशिया कप से पहले लय में लौटने के लिए यह सीरीज बेहद अहम है। अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय खिलाड़ी आपस में भी भात करते नजर आए। ईशान किशन, शुभमन गिल, ऋतुराज गायकवाड़ और मोहम्मद सिराज ने भी साथ बैठकर कुछ चर्चा की। इस दौरान किशन ने शुभमन गिल को कुछ समझाइश दी।

CWG 2022 में पदकों का चौका लगाने वाले अचंता शरत कमल अभी नहीं लेंगे संन्यास

नई दिल्ली एजेंसी। उम्र के साथ प्रदर्शन के मामले में और निखरते जा रहे टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल खेल को अलविदा कहने से पहले ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन ने उनका हौसला बुलंद कर दिया है। 40 वर्ष के शरत ने बर्मिंघम खेलों में चार पदक जीते। उन्होंने मिश्रित युगल में स्वर्ण जीता और 16 साल बाद एकल स्वर्ण भी अपने नाम किया। पिछले दो दशक से खेल रहे शरत का अभी संन्यास का इरादा नहीं है और ओलंपिक पदक जीतने के लिये दो साल और खेलना चाहते हैं।

शरत कमल ने एजेंसी से कहा ,राष्ट्रमंडल खेलों में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अच्छा लगा। इस बार मैने चार पदक जीते। फिटनेस सफलता की कुंजी है और मैं खुद को फिट रखने के लिये काफी मेहनत करता आया हूं। मैं हमेशा अपने शरीर और दिमाग को फिट रखना चाहता हूं क्योंकि युवाओं में काफी फुर्ती है और मुझे उनसे मुकाबला करना है। राष्ट्रमंडल खेलों में 13 और एशियाई खेल 2018 में दो कांस्य पदक जीत चुके शरत ने कहा ,पदक जीतने की भूख अभी भी है। मैं हमेशा बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं। अभी दो साल के बारे में सोच रहा हूं। पेरिस ओलंपिक में हम टीम स्पर्धा के लिये क्वालीफाई करके पदक जीत सकते हैं। यह प्रक्रिया है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद एशियाई खेल और फिर ओलंपिक। भारत के सबसे कामयाब टेबल टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि भारत में इस खेल का परिदृश्य बदल गया है। उन्होंने कहा ,देश में टेबल टेनिस की लोकप्रियता बढी है और मुझे खुशी है कि हम अपने प्रदर्शन से आने वाली पीढी को प्रेरित कर सकें है। पहले मेरी रैंकिंग 130 थी जो अब 38 है और साथियान की रैंकिंग 36 है । हमारे पास इतनी ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी कभी नहीं थे।

विज्ञापन पुष्पा द रूल से आरसी 15 तक, पैन इंडिया फिल्मों से है केजीएफ 2 जैसी बंपर कमाई की उम्मीद

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड में इन दिनों फ्लॉप फिल्मों का दौर चल रहा है। हिंदी की लगातार एक के बाद एक फिल्में फ्लॉप हो रही हैं। वहीं कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिनकी कहानी भले ही अच्छी हो लेकिन फिर भी किसी न किसी वजह से दर्शक उन्हें नकार दे रहे हैं। वहीं इस साल साउथ के सितारे आसमान छू रहे हैं। उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा बिखेर रही हैं। केजीएफ 2 और आरआरआर ने तो बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का कलेक्शन किया था। वहीं बाहुबली 2 भी कमाई के मामले में काफी बेहतरीन साबित हुई थी। तो चलिए आपको बताते हैं कि अब जो पैन इंडिया फिल्में आने वाली हैं क्या वो केजीएफ 2 और बाहुबली 2 के मुकाबले कमाई कर पाएंगी या नहीं।

पुष्पा- द रूल

साल 2021 के अंत में आई अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा ने हिंदी के दर्शकों अपनी ओर खूब आकर्षित किया था। इस फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी पसंद किए जाते हैं। इस फिल्म का सीक्वल पुष्पा- द रूल भी आ रहा है। पहले पार्ट ने करीब 350 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। ऐसे में पुष्पा 2 से भी शानदार कमाई की उम्मीद की जा रही है।

सालार

केजीएफ 2 के निर्देशक एक बार फिर अपनी शानदार फिल्म सालार लाने की तैयारी में हैं। 200 करोड़ के बजट वाली इस फिल्म में बाहुबली अभिनेता प्रभास के साथ श्रुति हासन मुख्य भूमिका में हैं। अटकलें हैं कि इस फिल्म को दो पार्ट में रिलीज किया जाएगा। हालांकि प्रभास की पिछली फिल्म राधे श्याम फ्लॉप रही है। ऐसे में इस फिल्म से हिट की उम्मीद है।

आदिपुरुष

आदिपुरुष रामायण पर आधारित एक पौराणिक फिल्म है। इस फिल्म में प्रभास, सैफ अली खान और कृति सेनन मुख्य भूमिका में हैं। ओम राउत इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। ये भी एक पैन इंडिया फिल्म है, इसलिए इसके भी सुपरहिट होने के कयास लगाए जा रहे हैं।

पीएस- 1

ऐश्वर्या राय अभिनीत ये फिल्म करीब 500 करोड़ रुपये के बड़े बजट की है। इस फिल्म का निर्माण मणिरत्नम कर रहे हैं। ये फिल्म भी दो पार्ट में आने वाली है। फिल्म की शूटिंग ओरछा के 16वीं और 17वीं सदी के महलों और मंदिरों में हुई है। कुछ समय पहले फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म को भी दर्शक पसंद करेंगे।

आरसी 156

साउथ के सुपरस्टार अपनी अगली फिल्म आरसी 15 में बहुत जल्द नजर आने वाले हैं। आरआरआर की सफलता के बाद ये उनकी बिग बजट फिल्म होने वाली है। हालांकि इससे पहले चिरंजीवी के साथ वह आचार्य में नजर आए थे, हालांकि वह फिल्म बुरी तरीके से फ्लॉप हो गई थी। ऐसे में आरसी 15 से हिट होने की उम्मीद की जाती है।

बायकॉट ट्रेंड पर एकता कपूर ने दिया दो टूक बयान

कहा- नहीं हो सकता आमिर खान का...

मुंबई। उजेंसी। एक तरफ फिल्म, रिलीज के छह दिनों बाद भी बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल नहीं दिखा पा रही है। वहीं दूसरी तरफ, सोशल मीडिया पर अब भीबायकॉट आमिर खानज, बायकॉट लाल सिंह चड्ढाज और बायकॉट बॉलीवुड का ट्रेंड जारी है। इसी बीच एकता कपूर ने बायकॉट ट्रेंड पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बायकॉट ट्रेंड पर बात करते हुए एकता ने कहा, यह बहुत अजीब है कि हम उन लोगों का बहिष्कार कर रहे हैं जिन्होंने सबसे अच्छा बिजनेस दिया है। इंडस्ट्री के सभी खान (शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान), और विशेष रूप से आमिर खान लीजेंड हैं। हम उनका बहिष्कार नहीं कर सकते। आमिर खान का कभी बहिष्कार नहीं किया जा सकता।

फिल्म की रिलीज से पहले आमिर खान ने कहा था...

फिल्म बहिष्कार के आह्वान का जवाब देते हुए, आमिर ने रिलीज से पहले कहा था, अगर मैंने किसी को किसी भी तरह से चोट पहुंचाई है, तो मुझे इसका खेद है। मैं किसी को चोट नहीं पहुंचाना चाहता। अगर कोई फिल्म नहीं देखना चाहता है, तो मैं उनकी भावना का सम्मान करूंगा।

रिलीज के बाद बड़ीं मुश्किलें

बता दें कि फिल्म की रिलीज से दो साल पहले से ही सोशल मीडिया पर लाल सिंह चड्ढाज का बायकॉट करने का आह्वान किया जा रहा है। हालांकि, सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद से आमिर खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दिल्ली के एक वकील ने लाल सिंह चड्ढा में आमिर खान, पैरामाउंट पिक्चर्स (निर्माता) और कई अन्य लोगों के खिलाफ कथित तौर पर भारतीय सेना का अपमान करने और हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। फिल्म में करीना कपूर, मोना सिंह और नागा चैतन्य भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम हुई लाल सिंह चड्ढा

लाल सिंह चड्ढा ने बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक प्रदर्शन किया है। अपने शुरुआती सप्ताहांत में फिल्म 50 करोड़ रुपये तक का आंकड़ा पार नहीं कर सकी। सोमवार के मुकाबले मंगलवार के दिन लाल सिंह चड्ढाज की कमाई में पूरे 75 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, जो मेकर्स के लिए काफी खराब संकेत है। इस फिल्म ने मंगलवार यानी अपने छठे दिन पर लगभग 2.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

'दीया और बाती हम' की एक्ट्रेस ने खुद से की शादी, सिंदूर-मंगलसूत्र के साथ फोटो शेयर कर दिया झटका

मुंबई, एजेंसी। गुजरात की क्षमा बिंदु की खुद से शादी करने की खबरों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं और लोगों को हैरान भी कर दिया था। वहीं, अब मनोरंजन जगत से भी ऐसे ही खबर सामने आ रही है।दीया और बाती हम फेम एक्ट्रेस कनिष्का सोनी ने खुद से शादी रचा ली है और इस बात की घोषणा उन्होंने अपने जन्मदिन के मौके पर की। कनिष्का ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर अपनी खुशी का इजहार किया है।

दरअसल, कनिष्का सोनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह गले में मंगलसूत्र और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। इसके साथ ही कनिष्का ने एक लंबा चौड़ा मैसेज भी लिखा है, जिसे देखकर सभी हैरान रह गए। अभिनेत्री की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं और हर जगह उन्हीं के चर्चे हो रहे हैं।

सितारों ने खुले दिल से किया इस्तकबाल

'गेम ऑफ थ्रोन्स' दो सदी पहले की महागाथा

मुंबई ,एजेंसी। एचबीओ की सीरीज हाउस ऑफ द ड्रैगन जॉर्ज आर आर मार्टिन की किताब 'फायर एंड ब्लड' पर आधारित है जिसमें हाउस ऑफ टार्गेरियन के इतिहास को दर्शाया गया है। यह कहानी 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित करने वाली घटनाओं से 200 साल पहले की हैं। ये 10 एपिसोड की सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 22 अगस्त से हर सोमवार प्रसारित होनी शुरू हो रही है। मुंबई में आयोजित इस सीरीज के प्रीमियर पर हिंदी मनोरंजन जगत के सितारों ने खुलकर सीरीज के किरदारों का परदे पर स्वागत किया। प्रीमियर के दौरान दिखाए गए एपिसोड से हर कोई अचंभित नजर आया।

सीरीज हाउस ऑफ द ड्रैगन में विसरीज के भाई डेमन टार्गेरियन का किरदार निभाने वाले अभिनेता मैट स्मिथ का काम अभिनेता जिम सर्भ को बहुत ही प्रभावशाली और दिलचस्प लगा। इस सीरीज में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो डेनम को उत्तराधिकारी के रूप में देखना चाहते है। जिम सर्भ कहते हैं , डेमन की यात्रा देखना काफी रोमांचक होगा। अंतत: सिंहासन की लड़ाई के लिए निर्णय लेने वाला हाशिये पर पहुंचा भाई मुझे तो रोमांचक लगता है। वहीं एम्मा डी आर्सी द्वारा निभाया गया राजकुमारी रेनेरा टार्गेरियन का किरदार भी कई लोगों को बहुत पसंद आया। कई लोग उस तरह की भूमिका निभाना चाहते थे। कास्टिंग डायरेक्टर और अभिनेता अभिषेक बनर्जी कहते हैं, राजकुमारी रेनेरा टार्गेरियन का किरदार मुझे बहुत पसंद आया। मैं अनुमान लगा सकता हूं कि वह श्रृंखला में बहुत कुछ करेगी और जब एक महिला शक्तिशाली पुरुषों के बीच एक नेता बन जाती है, तो बहुत सारी चीजें ऐसी भी होती हैं, जिन पर सहसा यकीन नहीं होता। वैसे देखा जाए तो हाउस ऑफ द ड्रैगन के सभी किरदार एक से ब?कर एक है। लेकिन यादातर लोगों को राजकुमारी रेनेरा का ही किरदार पसंद आया। प्राजक्ता कोली के मुताबिक, हाउस ऑफ द ड्रैगन के शक्तिशाली ड्रैगन की वह दीवानी रही हैं।

नेता प्रतिपक्ष पर कमलेश अग्रवाल को लेकर सहमति

कैंट विधायक ने नहीं किया विरोध, जल्द हो सकती है घोषणा

जबलपुर, यशभारत। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर भारतीय जनता पार्टी में तीन चार नामों पर चर्चा चल रही थी जिसमें प्रमुख रूप से कमलेश अग्रवाल महेश राजपूत और लवली आनंद का नाम भोपाल भेजा गया है इन नामों के अलावा नेता प्रतिपक्ष को लेकर रिंकू विज का नाम भी अध्यक्ष बनने के पहले चर्चाओं में था लेकिन रिंकू विज के अध्यक्ष बनने के बाद प्रतिपक्ष को लेकर 3 नाम तो भोपाल भेजे गए हैं लेकिन इसमें कमलेश अग्रवाल का अध्यक्ष बनना लगभग तय माना जा रहा है। पहले कमलेश अग्रवाल के नाम को लेकर संशय की स्थिति की क्योंकि इसके पीछे कारण है कैंट की राजनीति केंट की राजनीति में रोहणी परिवार की स्थिति आप समझ सकते हैं जिसे किसी परिचय की जरूरत नहीं है और कमलेश अग्रवाल की राजनीति की धुरी भी कैंट विधानसभा रही है और कमलेश अग्रवाल की राजनीतिक सफर की शुरुआत ईश्वरदास रोहाणी के पद चिन्हों पर चलते हुए हुए थी लेकिन एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकती जिसे आप राजनैतक मतभेद भी कह सकते हैं ऐसे में कमलेश अग्रवाल को अहम जिम्मेदारी मिलने पर कैंट विधायक का विरोध एक स्वाभाविक सी बात है लेकिन लेकिन इस

पूरी रस्साकशी में दो महत्वपूर्ण कारणों के चलते कमलेश अग्रवाल का नेता प्रतिपक्ष बनाना लगभग तय माना जा रहा है। जिसमें तात्कालिक कारण है रिंकू विज का अध्यक्ष चुने जाना जबकि रिंकू अशोक रोहाणी के खासम खास है उन्हें अध्यक्ष बनाने के लिए अशोक रोहाणी ने पूरा जोर लगाया जिसके चलते वे अध्यक्ष बने। ऐसे में वह कमलेश के नाम को लेकर खुला विरोध दर्ज नहीं करा रहे । वही पार्टी के ही कुछ बड़े नेताओं की माने तो रिंकू को अध्यक्ष बनाने के लिए कमलेश को पहले ही नेता प्रतिपक्ष का आश्वासन पार्टी द्वारा दिया गया था जिसमें विधायक और कमलेश अग्रवाल के बीच में सीधी सहमति तो नहीं बनी लेकिन रिंकू विज ने इस पूरे मामले में सेतु की भूमिका जरूर अदा की है । वही दूसरा कारण भौगोलिक समीकरण भी है जिसमें अशोक रोहाणी और कमलेश अग्रवाल दोनों के लिए स्थिति सुविधाजनक निर्मित हो रही है जिसे कहते हैं सांप भी मर जाए और लाठी भी ना टूटे। वर्तमान मे कमलेश जिस वार्ड से पार्षद हैं वह मध्य विधानसभा में आता है और इस कर पहले वे कैंट विधानसभा के वार्ड से पार्षद थे भौगोलिक परिस्थितियों में राजनैतिक समीकरणों को कुछ ऐसे समझ सकते हैं कि कैंट में क्योंकि भाजपा का विधायक है और अशोक रोहाणी की स्थिति हर आने वाले समय के साथ मजबूत होती जा रही है जिसके चलते कमलेश को वहां कोई भी राजनीतिक भविष्य नजर नहीं आ रहा वही मध्य की बात करें तो यहां कांग्रेस का विधायक है और विपक्ष की राजनीति करने के लिए खुला मैदान है। ऐसे में अशोक रोहाणी भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए कमलेश को मध्य में भेज कर अपनी राजनीतिक पकड़ और मजबूत करना चाहेंगे वही कमलेश खाली पड़े मैदान में अपनी राजनीतिक विशात खुलकर जमा सकते हैं जहां भविष्य की संभावनाएं देखी जा रही है।

एडवोकेट और युवक का मोबाइल लूटकर भागे आरोपी

कोतवाली, गोहलपुर में लूट से हड़कंप

बाइक स्लिप होने से 3 को पुलिस ने दबोचा

जबलपुर, यशभारत। शहर में देर रात दो लूटकांड़ों की वारदात होने के बाद हड़कंप मच गया। गोहलपुर में पन्ना निवासी वकील का मोबाइल लेकर तीन बाइक सवार युवक फरार हो गए तो वहीं कोतवाली की उखरी चौकी के पास दूध लेने जा रहे एक युवक के हाथों से बाइक सवार लुटेरों ने 30 हजार के दो मोबाइल लूट लिए। गनीमत यह रही कि हड़बड़ाहट में लुटेरों की बाइक एसबीआई चौराहे पर स्लिप हो गई। जिसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को दबोच लिया है। जिनसे पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि झंड़ा बाजार कृष्ण गढ़ थाना पवई जिला पन्ना निवासी एडवोकेट मोहम्मद गुलाम गाजीनगर, रद्दी चौकी किसी काम से आए हुए थे। घटना के दौरान वह अपने मोबाइल से रोड के किनारे खड़े होकर बात कर रहे थे, तभी बाइक में सवार तीन नकाबपोश आए और उनके हाथ से मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

दूध लेने जा रहा था, लूट लिए मोबाइल

वहीं, कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत उखरी चौकी, नर्मदा नर्सरी स्कूल के पास देर रात दूध लेने जा रहे आशीष कुमार के हाथों से बाइक सवार तीन नकाबपोश लुटेरों ने हाथों से मोबाइल लूटकर फरार हो गए। घटना के दौरान वह चीखता रहा और बाइक सवारों के पीछे दौड़ता रहा।

एसबीआई के पास स्लिप हुई बाइक

पुलिस ने बताया कि तीन आरोपी बाइक में सवार होकर पूरी रफ्तार के साथ भाग रहे थे, तभी उनकी बाइक एसबीआई चौराहे के पास स्लिप हो गई। जिसके बाद पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों में दो नाबालिग और एक बालिग है। लुटेरों से पुलिस ने लूटे गए मोबाइल जब्त कर लिए है। जिनसे पूछताछ जारी है।

ललपुर से चोरी की रेत का परिवहन कर रहे 2 आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

दो गाड़ी रेत जब्त, पूछताछ जारी

जबलपुर, यशभारत। ग्वारीघाट पुलिस ने ललपुर से चोरी की रेत भरकर अवैध परिवहन कर रहे 407 सहित दो गाड़ी रेत जब्त कर, 2आरोपियों को दबोच लिया है। वहीं, वाहन मालिक फरार हैं, जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश करने में जुटी है। थाना प्रभारी ग्वारीघाट श्रीमति भूमेश्वरी चैहान ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम ललपुर तरफ से एक 407 लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी 16 जीए 1191 का चालक ललपुर नर्मदा नदी से चोरी छिपे अवैध रूप से रेत भरकर ग्वारीघाट तरफआ रहा है, जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर राजेश कोल 36 वर्ष निवासी ग्राम ललपुर नई बस्ती को दबोचा। कार्रवाई के दौरान आरोपी रॉयल्टी नहीं दिखा पाया। आरोपी ने बताया कि वाहन मालिक सुनील यादव उर्फ सुन्नू निवासी ललपुर के कहने पर चोरी छिपे रेत लोड कर गोरखपुर ले जा रहा था। लोड चोरी की रेत वाहन सहित जब्त करते हुये कार्रवाई की गई। इसी प्रकार वाहन क्रमांक एमपी 20 जीए 3554 के चालक को दबोचा गया है।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

नशे के इंजेक्शन बेचते तस्कर को रंगेहाथों दबोचा

जबलपुर, यशभारत। हनुमानताल के चार खंबा के पास क्राइम ब्रांच और पुलिस ने एक नशे के सौदागर को दबोचकर करीब पचास घातक नशे के इंजेक्शन जब्त किए है। सूचना के बाद गठित टीम ने दबिश देकर आरोपी केा इंजेक शन बेंचते हुए रंगे हाथों दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी से पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जावेद अंसारी उर्फ तैहेब अंसारी पिता समीम अंसारी 28 साल चारखंबा का निवासी है। सूचना मिली थी कि आरोपी बड़े स्तर पर नशे के इंजेक शनों की सप्लाई करता है। जिसके बाद क्राइम ब्रांच और पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को दबोच लिया। जिसके कब्जे से 49 इंजेक शन जब्त किए है।

खेत में रोपा लगा रहे मजदूर की कीचड़ में धसने से मौत!

शराब के नशे में धुत्त होकर लगा रहा था धान का रोपा

जबलपुर, यशभारत। सिहोरा के बरगी में नशे में धुत्त मजदूर की कीचड़ में धसने से दर्दनाक मौत हो जाने का मामला सामने आया है। दरअसल मजदूर नशे की हालत में खेत में धान का रोपा लगा रहा था। खेत में कीचड़ अधिक था जिसके कारण वह खेत में मुंह के बल गिर गया और फिर नहीं उठा। पुलिस ने मर्ग किया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मजदूर शराब के नशे में धुत्त था। पुलिस मामले की बारीकी से पड़ताल करने में जुटी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि सरपंच बरगी शैलेन्द्र साहू ने सूचना दी कि एक व्यक्ति ग्राम बरगी में खेत में मृत पड़ा है, सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को मुन्नीलाल कोल 60 वर्ष निवासी ग्राम बरगी ने बताया कि खेत में धान लगाने के लिये उसका छोटा बेटा लखन कोल 32 वर्ष गया था, जो शराब पीने का आदि है । खेतों से होते हुये आ रहा था एवं शराब में धुत्त था। जिसके बाद पता चला कि खेत के कीचड़ में मुंह डूबने से लखन खत्म हो गया है । पीड़िता ने बताया कि उसने जाकर देखा तो उसके बेटे की मौत हो चुकी थी। सूचना पर पंचनामा कार्यवाही कर शव को पीएम हेतु भिजवाते हुये मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

बरगी बांध का बढ़ा जलस्तर

आज खोले गये डैम के 2 और गेट

ग्वारीघाट-तिलवारा सहित सभी घाटों में नौकायान पर लगा प्रतिबंध

बरगी गेट खुलने के बाद लिया गया निर्णय

जबलपुर, यशभारत। बरगी के 15 गेट खोले जाने के बाद ग्वारीघाट, तिलवारा से लेकर सारे नर्मदा तटों पर चलने वाली नाव पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एसडीएम गोरखपुर ने इसके आदेश जारी करते हुए नौका संचालन करने वाले नाविकों तक जानकारी पहुंचाई है। एसडीएम ने आदेश में कहा कि बरगी बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और इस वजह से गेट खोले जा रहे हैं। बरगी बांध के गेट खुलने के कारण ग्वारीघाट, तिलवारा, सिद्धघाट, जिलहरी, लम्हेटा, भेड़ाघाट में पानी का स्तर बढ़ गया है इस स्थिति में नौकायान करना खतरे से खाली नहीं है इसलिए तत्काल से नौकायान संचालन में प्रतिबंध लगाया जाता है।

बांध में पानी की लगातार आवक होने से पहले से खुले हैं 13 गेट

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर सहित पूरे मध्यप्रदशे में हुई भारी बारिश के चलते नदी और नाले उफान पर है। जिसके चलते बरगी बांध का जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कारण बांध के 13 गेट पहले से खुले हुए हैं बांध में जल की आवक जायदा होने के कारण आज बुधवार को दोपहर 12 बजे बांध के 2 अतिरिक्त गेट और खोले जाएंगे, जिससे खुले गेटों की संख्या कुल 15 गेट हो जायेगी। खुले हुए 15 गेटों से बांध से 4202 घन मीटर/ सेकंड जल छोड़ा जाएगा, जिससे वर्तमान जलस्तर से नर्मदा नदी का जलस्तर 10-12 फिट और उठ जाएगा। लिहाजा प्रशासन ने नागरिकों से नदियों से दूरी बनाकर सावधान रहने की अपील की है।

प्रभारी मंत्री द्वारा मनीष अवस्थी सम्मानित

जबलपुर, यशभारत। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ मनीष अवस्थी को विगत चुनाव में चुनाव सेल प्रभारी के रूप में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रभारी मंत्री गोपाल भार्गव द्वारा पुलिस लाइन जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया ।

त्रयोदशी संस्कार

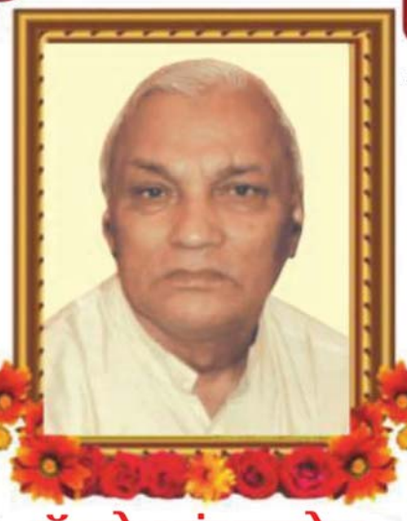

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय पिताजी डॉ. रमेश चंद सक्सेना का स्वर्गवास दिनांक 5 अगस्त 2022, शुक्रवार को हो गया है।
ब्रम्हलीन आत्मा की शांति हेतु

त्रयोदशी संस्कार
बुधवार 17 अगस्त 2022
समय दोपहर 01 बजे से सायं 05 बजे तक

कार्यस्थल
8/16, आईजी बंगले के बाजू से, साउथ सिविल लाइंस, जबलपुर

डॉ. रमेश चंद सक्सेना
(पूर्व प्रधानाचार्य शा. आयुर्वेदिक कॉलेज, जबलपुर)

शोकाकुल
निर्मल सक्सेना (धर्मपत्नि)
डॉ. राजीव सक्सेना, रवि सक्सेना (पुत्र), पूनम श्रीवास्तव (पुत्री),
डॉ. अमिता सक्सेना (पुत्रवधु), गोविंद श्रीवास्तव (दामाद), पौत्र-अंकुर श्रीवास्तव,
डॉ. अक्षय सक्सेना, डॉ. निश्चय सक्सेना, शाश्वत सक्सेना एवं समस्त परिवार
मो: 9425152550, 9650698488

सेल... सेल... सेल...
फैन्सी साड़ियाँ, सूट, लहंगा, इवनिंग गाऊन, क्रॉप टॉप, कुर्ती पर
श्री शुभमंगल कलेक्शन
मानसून ऑफर UPTO 50% OFF
सतना बिल्डिंग, मालवीय चौक, जबलपुर 0761- 4015444, 7828684355
NARMADA

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

गैलेक्सी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
मध्य भारत का तेजी से उभरता हुआ, सर्वप्रथम होलीस्टिक हॉस्पिटल
आयुष्मान एवं सभी प्रकार के टीपीए की सुविधा
आर्यरा AaryAra (illuminate AspiratioN)
उखरी तिराहा, विजय नगर, जबलपुर (मप्र)-482003
0761-4017010, 4027010, 2647010 Helpline 881983000,7777877708
galaxyhospitaljbpweb@gmail.com, galaxyhospitaljbp2020@gmail.com www.galaxyhospitaljbp.com

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
समस्त प्रदेशवासियों को

लखन घनघोरिया
विधायक, पूर्व विधानसभा

उन वीर जवानों को भी याद करने का दिन है.. जिन्होंने इस आजादी को पाने के लिए कुर्बानी दे दी। हमें चाहिए कि इस स्वतंत्रता को बनाएं रखें। हमेशा एक रहें। स्वतंत्रता की दिवस की शुभकामनाएं।
जितेन्द्र सिंह ठाकुर
पंडित द्वारिका प्रसाद मिश्र वार्ड

महाकौशल का सबसे आधुनिक ICU, जबलपुर में आपकी सेवा में 24 घंटे
LIFE CARE ICU, Mukherjee Hospital
हमारे यहां उपलब्ध विशेषज्ञों की टीम व सुविधाएं
डॉ अभिजीत मुखर्जी (वरिष्ठ हड्डी रोग एवं ट्रामा विशेषज्ञ)
डॉ प्रशांत कुशवाहा (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ हर्ष सक्सेना (वरिष्ठ न्यूरोसर्जन)
डॉ तरून नागपाल (वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट)
डॉ एम. चंसोरिया (वरिष्ठ ICU विशेषज्ञ)
डॉ नेहा चंसोरिया B.D.S, M.D.S. (वरिष्ठ दंत एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ)
डॉ विशाल वडेरा (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ)
डॉ अखिलेश पटेल (छाती एवं स्वांस रोग विशेषज्ञ)
सुविधाएं
हड्डी की चोट का इलाज व ऑपरेशन, सिर की चोट, हेड इन्जूरी, रीढ़ की हड्डी की चोटों का इलाज व ऑपरेशन, लकवा, मिर्गी एवं दिमागी बुखार का इलाज, जहरीली वस्तु का सेवन (Poison Unit), सर्पदंश उपचार, गंभीर लीवर की बिमारी, किडनी की बीमारी (पथरी), डायलिसिस सुविधा उपलब्ध, हर प्रकार के पेट के रोगों का ऑपरेशन,Burn Unit (जले हुए मरीजों का इलाज), महाकोशल के सबसे आधुनिक वेन्टीलेटर उपलब्ध, 24 घंटे डायलिसिस की सुविधाएं
1933, प्रेम मंदिर के पास, राइट टाउन, जबलपुर | 07614038666, 7049079825 | 9300920067

स्थापना 1948 74 वर्षों का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाते ही छाते
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता
प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम
3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481262,2481362

हृदय रोग जांच एवं परामर्श
डॉ. इसरार अहमद
M.B.B.S., PGDCC (Dip.Card), CCEBDM, FNIC
Fellowship in Echocardeography
हार्ट अटेक (हृदयघाट) सीने में दर्द व भारीपन
उच्च रक्तचाप बी.पी.का बढ़ना या घटना
घबराहट व धड़कन बढ़ना बिना वजह पसीना आना
दिन- सोमवार से शनिवार समय- शाम 6:30 से 10:00
मो. 9717459755/फोन-0761-2443366
पता-1969,नाज मेडिकल हाईकोर्ट रोड रद्दी चौकी, जबलपुर

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
फ्रुट आयटम उपलब्ध
→रोस्टेट नमकीन →सतू →मूंगफल्ली की लइया →रोस्टेट ड्राई फ्रूड →वेक्ड टोस्ट →करेला चिप्स →पीनट चिक्की →ड्राईभेल →बिस्केट →फुल्की →रोस्टेड मूंगफल्ली →सिंधी पापड़→चने
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304, 7987145201

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)